www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 350 | जौनपुर, सोमवार, 10 अगस्त 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

झारखंड में छात्रों पर हुए लाठीचार्ज पर चुप्पी

झारखंड, (एजेंसी)। परीक्षा में अनियमितताओं के खिलाफ रांची में हजारों प्रतियोगी अभ्यर्थियों का आंदोलन आज 17वें दिन भी जारी रहा। झारखंड विधानसभा की ओर मार्च कर रहे प्रदर्शनकारियों ने एक के बाद एक कई पुलिस बैरिकेड तोड़े, जिसके बाद जगन्नाथपुर मंदिर के पास पुलिस ने पानी की बौछारें कीं और लाठीचार्ज किया। इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारी घायल हो गये। सवाल यह है कि छात्रों के इस आंदोलन और पुलिस कार्रवाई पर वह विपक्ष आखिर चुप क्यों है, जो दिल्ली के जंतर–मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन के दौरान सरकार और पुलिस की कार्रवाई पर लगातार सवाल उठाता रहा है? यह सवाल इसलिए और महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार है और वह विपक्षी दलों के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन का हिस्सा है। जब किसी भाजपा शासित राज्य में छात्रों पर पुलिस कार्रवाई होती है तो विपक्ष लोकतंत्र, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और युवाओं के अधिकारों की दुहाई देता है। लेकिन जब उसी तरह की स्थिति विपक्ष शासित राज्य में पैदा होती है तो क्या वही मापदंड लागू नहीं होने चाहिए? यही नहीं, कल तक छात्रों के अधिकारों की आवाज उठाने का दावा कर रही कॉकरोच जनता पार्टी के नेताओं ने भी चुप्पी साध ली है जिससे उन पर बड़े सवाल उठ रहे हैं। हम आपको बता दें कि झारखंड में प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थी जेएसएससी– सीजीएल समेत विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच, कुछ परीक्षाओं को रद्द करने और जेपीएससी–जेएसएससी में व्यापक सुधार की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी सीबीआई जांच या राज्य से बाहर के उच्च न्यायालयों के सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की समिति से जांच कराने की मांग पर अड़े हैं। सरकार का दावा है कि उसने प्रदर्शनकारियों की 98 प्रतिशत मांगें स्वीकार कर ली हैं। वहीं आंदोलनकारी कहते हैं कि जिन 13 परीक्षाओं को रद्द करने की मांग की गई थी, उनमें से केवल तीन पर सरकार सहमत हुई है।

योगी आदित्यनाथ ने 311 करोड़ की परियोजनाओं का किया लोकार्पण

सिद्धार्थनगर, (संवाददाता)। नौ अगस्त उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश के युवाओं ने कांग्रेस को पूरी तरह 'दफन' कर दिया है और सत्ता के अहंकार के खतरों को समझने के लिए कांग्रेस के पतन का उदाहरण काफी है। आदित्यनाथ ने सिद्धार्थनगर में 311 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली 107 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद यह बात कही। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, ''सत्ता के नशे का दुष्परिणाम कितना खतरनाक हो सकता है, इसे समझने के लिए कांग्रेस के पतन को देखना चाहिए। उन्होंने क्रांतिकारियों को भुला दिया और आज देश के युवाओं ने कांग्रेस को दफन कर दिया है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ''पूरी तरह नकारात्मक रास्ते'' पर चल रही है। उन्होंने सवाल किया कि भारत गुलाम क्यों हुआ। उन्होंने इसके लिए दो कारण बताए। आदित्यनाथ ने कहा, ''पहला कारण था समाज में जाति, क्षेत्र और के आधार पर अपमान जैसी विसंगतियां, जिनसे समाज में विभाजन पैदा हुआ। दूसरा कारण यह था हमारी अपनी व्यवस्था में शामिल कुछ लोगों की साजिश, जिन्होंने उस समय देश का मार्गदर्शन करने के बजाय समाज को गुमराह किया।'' मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि समाज को बांटने का वही पाप, जिसके कारण भारत गुलाम हुआ, आज कांग्रेस और समाजवादी पार्टी जातिगत विभाजन पैदा करके दोहरा रही हैं। उन्होंने सवाल किया, ''उनकी विभाजनकारी

राजनीति का परिणाम क्या है? क्या कभी किसी ने उनसे पूछा कि सबसे लंबे समय तक देश और प्रदेश में शासन करने के बावजूद उन्होंने युवाओं, किसानों, गरीबों और महिलाओं के लिए क्या किया?'' कांग्रेस पर हमला करते हुए आदित्यनाथ ने कहा, भारत की आजादी के लिए अपने प्राणों की परवाह न करने वाले क्रांतिकारियों की कार्रवाई को अंग्रेजों ने डकैती करार दिया था और आजादी के बाद कांग्रेस ने भी इसे डकैती ही कहा। हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के आभारी हैं, जिन्होंने 'काकोरी डकैती' की घटना का नाम बदलकर 'काकोरी ट्रेन एक्शन' कर क्रांतिकारियों का सम्मान किया।'' उन्होंने यह भी कहा, आजादी के बाद सत्ता में आए लोग सत्ता के नशे में इतने चूर हो गए कि वे संस्थानों के नाम अपने परिवारों के नाम पर रखने में ही लगे रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में भारत में बड़ा बदलाव आया है। आदित्यनाथ ने कहा, ''एक समय था जब दुनिया भारत को पिछड़े, गरीब और कमजोर देश के रूप में देखती थी, जिसे अपने विरोधियों के सामने टिक पाना मुश्किल माना जाता था। आज वही भारत अपने विरोधियों के सामने मजबूती से खड़ा है और पूरी दुनिया उसकी ओर देख रही है।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासन में जिस भारत की अर्थव्यवस्था ''बर्बाद'' हो गई थी, वही देश आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है।

हर्ष संघवी ने कहा, गुजरात से गुजरात के कपड़ा उद्योग को वैश्विक अवसर मिलेगा

गुजरात, (एजेंसी)। गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने रविवार को कहा कि मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की मदद से राज्य के कपड़ा व्यवसाय के पास दूसरे देशों के साथ प्रतिस्पर्धा करने का एक सुनहरा अवसर है। संघवी ने यह बात 'फेडरेशन ऑफ सूरत ट्रेड एंड टेक्सटाइल एसोसिएशंस' (एफओएसटीटीए)

की वार्षिक आम बैठक में शामिल होने के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही। सूरत को देश के प्रमुख कपड़ा केंद्रों में से एक माना जाता है। उपमुख्यमंत्री संघवी ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में कई देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौतों के कारण दक्षिण गुजरात क्षेत्र, सूरत और अहमदाबाद के कपड़ा कारोबारियों के पास वैश्विक बाजारों में दूसरे देशों के साथ प्रतिस्पर्धा करने का एक सुनहरा अवसर है।

ममता के खिलाफ प्रदर्शन जनता के गुस्से का सबूत – शुभेंदु

कोलकाता, (एजेंसी)। नौ अगस्त पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस के एक मृत कार्यकर्ता के परिजन से मिलने के लिए उत्तर 24 परगना जिले के हलीशहर जाते समय पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी को जिस विरोध का सामना करना पड़ा, वह "जनता के भारी गुस्से" को दर्शाता है।

हलीशहर जाते समय प्रदर्शनकारियों ने ममता के वाहन को घेर लिया, "चोर–चोर" के नारे लगाए और उनकी कार पर कथित तौर पर कीचड़, जूते और पत्थर फेंके। वह तृणमूल कांग्रेस के उस कार्यकर्ता के परिजन से मिलने जा रही थीं, जिसकी कथित तौर पर पुलिस हिरासत में मौत हो गई थी। शुभेंदु ने घटना में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया। उन्होंने कहा, "आपने (ममता) इतनी चोरी की है कि आपको लोगों के मुंह से अपने लिए 'चोर' सुनना ही पड़ेगा।" शुभेंदु ने सवाल किया कि ममता ने 'अभया' (आरजी कर दुष्कर्म–हत्याकांड की पीड़िता) की दूसरी बरसी पर उसके परिवार से मुलाकात क्यों नहीं की। उन्होंने कहा, "आप (ममता) आज अभया के घर जा सकती थीं। गले में तौलिया डालकर रत्ना देबनाथ के पास जा सकती थी।

एनडीए संसदीय दल की 'मंगल मिलन' बैठक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले एनडीए संसदीय दल की साप्ताहिक 'मंगल मिलन' बैठक मंगलवार (11 अगस्त) सुबह 9:30 बजे संसद भवन के पुस्तकालय के जीएमसी बालयोगी ऑडिटोरियम में होगी। लोकसभा और राज्यसभा के सभी एनडीए सदस्यों के इस कार्यक्रम में शामिल होने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अपने आवास पर एनडीए के करीब 41 लोकसभा सांसदों के साथ नाश्ते पर बैठक की। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य, संसदीय आचरण, जनसेवा और व्यक्तिगत व आधिकारिक जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाए रखने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर बल देते हुए सांसदों से रोजाना योग करने की अपील की। उन्होंने कहा, "अगर आपका स्वास्थ्य अच्छा है, तो आप जनता के लिए अधिक काम

कर पाएंगे। इसलिए हर दिन योग करें। यदि आप काम में बहुत व्यस्त हैं, तो कृपया आप जहां भी हों, योग करें। कुर्सी पर बैठकर भी कुछ मिनटों के लिए योग किया जा सकता है, जिससे आपका शरीर और मन संतुलित और स्वस्थ रहेगा।" पीएम मोदी ने संसद को विश्वविद्यालय की तरह बताते हुए नए सांसदों को संसदीय इतिहास का अध्ययन करने और संसद पुस्तकालय का पूरा उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, "संसद एक विश्वविद्यालय की तरह है। मैं आपको इसका अध्ययन करने और संसद के इतिहास की गहरी समझ हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करता हूं।" उन्होंने सांसदों को राज्य या अपने निर्वाचन क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर सीधे उनसे संपर्क करने का भी आमंत्रण दिया। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि एनडीए एक परिवार की तरह काम करता है और जन–कल्याण इसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके साथ ही पीएम मोदी ने सदस्यों को सलाह दी कि वे संसद का तनाव सदन के बाहर न ले जाएं। बिना गुस्से या चिल्लाए शांति से अपनी बात रखें और सत्ता पक्ष व विपक्ष के सहयोगियों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखें। कई जिम्मेदारियों को संभालने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने अपना व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए।

सीएम रेखा गुप्ता ने 9वीं की 200 छात्राओं को दीं साइकिलें, 1.40 लाख छात्राओं को मिलेगा लाभ

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'विद्या वाहिनी योजना' के तहत सोमवार को विधानसभा परिसर में कक्षा 9 में अध्ययनरत छात्राओं को साइकिलें वितरित कीं। इस अवसर पर उत्तरी जिले के जोन 7 की 200 छात्राओं को साइकिलें प्रदान की गईं। यह पहल छात्राओं के लिए विद्यालय तक आवागमन को आसान बनाने के साथ–साथ उनकी शिक्षा की निरंतरता, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर साइकिल प्राप्त करने वाली छात्राओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। छात्राओं ने कहा कि साइकिल मिलने से उन्हें विद्यालय आने–जाने में सुविधा होगी,

समय की बचत होगी और वे अधिक आत्मविश्वास के साथ अपनी पढ़ाई जारी रख सकेंगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने छात्राओं से संवाद करते हुए उन्हें साइकिल मिलने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि एक साइकिल केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि बेटियों की शिक्षा और उनके सपनों को आगे बढ़ाने का माध्यम है। सरकार का प्रयास है कि किसी भी बेटी को स्कूल तक पहुंचने में आने वाली दूरी या परिवहन की समस्या उसकी पढ़ाई के रास्ते में बाधा न बने। उन्होंने कहा कि 'विद्या वाहिनी योजना' के माध्यम से दिल्ली सरकार बेटियों की शिक्षा को अधिक सुलभ और सुविधाजनक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष कक्षा 9 में पढ़ने वाली लगभग 1.40 लाख छात्राओं को योजना के तहत साइकिलें वितरित की जा रही हैं। बेटियों की शिक्षा में किया गया निवेश समाज के उज्ज्वल भविष्य में किया गया निवेश है। सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए लगातार कार्य कर रही है कि दिल्ली की बेटियों को शिक्षा, आधुनिक सुविधाओं और आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वे इस सुविधा का उपयोग अपनी शिक्षा को और मजबूत करने में करें, अपने लक्ष्य तय करें और पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें। दिल्ली सरकार का लक्ष्य विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा के साथ समग्र और सक्षम वातावरण उपलब्ध कराना है ।

सत्य, शुभ और ज्ञानवर्धक वचन सुनें, कल्याणकारी विचारों को अपनाएं – पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री ने लिखा, "हम सत्य, शुभ और ज्ञानवर्धक वचन सुनें, कल्याणकारी विचारों को अपनाएं। स्वस्थ शरीर, उत्तम आचरण और श्रेष्ठ गुणों के साथ जीवन को लोकहित में समर्पित करें तथा सत्य, प्रामाणिक और जनहितकारी सूचनाओं का प्रसार कर राष्ट्र और समाज को जागरूक, सशक्त तथा समरस बनाएं।" इसका अर्थ है कि चंद्रमा किसी प्रत्युपकार की इच्छा से कमल को प्रकाशित नहीं करता, बल्कि यह उसका स्वाभाविक गुण है। उसी प्रकार उदार हृदय वाले सज्जन बिना स्वार्थ के दूसरों का हित करते हैं।6 अगस्त को उन्होंने पृथ्वी माता की सेवा से जुड़े श्लोक को साझा किया थ। इसका भाव है कि सभी औषधियों और वनस्पतियों वाली स्थिर पृथ्वी माता की हम सदैव सेवा करें, जो

कल्याणकारी और सुखदायी है। प्रधानमंत्री मोदी नियमित रूप से ऐसे सुभाषित और संस्कृत श्लोक साझा कर लोगों को सकारात्मक विचारों और लोकहित की प्रेरणा देते रहते हैं।

जयपुर में तिरंगा यात्रा में शामिल हुए जेपी नड्डा, अमर शहीदों को किया नमन

जयपुर, (एजेंसी)। नड्डा ने अमर जवान ज्योति स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की और मातृभूमि की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले अमर शहीदों को नमन किया। बाद में, उन्होंने राज्य भाजपा कार्यालय में वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों से मुलाकात की और स्वतंत्रता सेनानी व पूर्व वरिष्ठ भाजपा नेता प्रवीण चंद छाबड़ा के आवास पर जाकर उन्हें सम्मानित किया। जयपुर में, उन्होंने राज्य की रक्त संग्रह प्रणाली को मजबूत करने के उद्देश्य से 10 नई रक्त संग्रह और परिवहन बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, राज्य भाजपा अध्यक्ष मदन राठौड़, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, राज्य प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल और अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ, नड्डा ने अल्बर्ट हॉल से बड़ी चौपड़ तक तिरंगा यात्रा को संबोधित किया। 'भारत माता की जय' के नारे के साथ शुरुआत करते हुए नड्डा ने राजस्थान को बहादुर नायकों और राष्ट्र–निर्माताओं की भूमि बताया। उन्होंने कहा कि तिरंगा लाखों भारतीयों के खून, पसीने और जीवन के बलिदान से हासिल हुआ है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा उन देशभक्तों को श्रद्धांजलि देने और उनके बलिदानों से प्रेरणा लेने का एक मौका है। भारत को 'लोकतंत्र की जननी' बताते हुए उन्होंने जोर दिया कि तिरंगा यात्रा भावनाओं की एक अभिव्यक्ति है जो 140 करोड़ भारतीयों को देशभक्ति और देश के प्रति पूर्ण समर्पण की दिशा दिखाती है। राष्ट्रीय ध्वज के इतिहास को याद करते हुए नड्डा ने कहा कि भारत ने 22 जुलाई, 1947 को संवैधानिक रूप से 'तिरंगे' को अपनाया था। उन्होंने 1906 के स्वदेशी आंदोलन के झंडे से लेकर 1921 में महात्मा गांधी को सौंपे गए ।

श्रावण मास के द्वितीय सोमवार पर नागेश्वर नाथ सहित प्रमुख शिव मंदिरों व शिवालयों पर कवरियों व शिवभक्तों की भीड़

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।सावन माह के द्वितीय सोमवार पर नागेश्वर नाथ व अन्य शिवालयों तथा शिव जी के मंदिरों पर शिवभक्तो की भीड़ उमडी। कावड़ियों शिव भक्तों की भारी संख्या में भी शुक्रवार से ही दिखाई दे रही थी।जो सरयू नदी के आसपास तथा नागेश्वर नाथ मंदिर के साथ साथ अन्य शिवालयों,शिव मंदिरों पर दिखाई दी।बोल बम हर हर महादेव गेरुआ वस्त्र धारण किए शिव भक्तों से पूरी रामनगरी भक्ति में हो रही थी।रामपथ सहित अन्य प्रमुख मार्गों पर शिव भक्तों की भारी संख्या में भी दिखाई दिया। इस मौके पर युवाओं के अलावा महिलाओं में बच्चों ने भी कांवरिया के भेष धारण किए थे और उनके कंधों पर कावड़ दिखाई दे रहा था जो की आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा। वही सुरक्षा की दृष्टि को देखते हुए रविवार की देर शाम से कमिश्नर राजेश कुमार,डीआईजी सोमेन बर्मा, डीएम शशांक त्रिपाठी,एसएसपी डॉक्टर गौरव ग्रोवर, एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने अन्य पुलिसकर्मियों व अधिकारियों के साथ अयोध्या धाम के नागेश्वर नाथ मंदिर सहित अन्य प्रमुख शिवालयों सरयू घाट पर सुबह तक निरीक्षण करते हुए दिखाई दिए। वही सरयू घाट पर किसी भी तरह की अप्रिय घटना ना हो इसके लिए नोडल प्रभारी सरयू घाट सीएफओ एमपी सिंह पर्याप्त संख्या में जल पुलिस पीएससी सहित अन्य सुरक्षा कर्मियों के साथ दिखाई दिए।वही भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस एवं प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहे।इस दौरान श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी ना हो इसके लिए पुलिस प्रशासन द्वारा व्यापक इंतजाम किए गए थे।रामनगरी के प्राचीन नागेश्वर नाथ मंदिर के अलावा अन्य प्रमुख शिव मंदिरों व प्रमुख शिवालयों की ओर जाने वाले प्रमुख मार्गों पर सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यकता अनुसार बैरिकेडिंग भी लगाए गए है।इन मंदिरों पर दर्शन के दौरान किसी अप्रिय घटना की स्थित ना उत्पन्न हो इसके लिए प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं के लिए प्रवेश तथा निकास के द्वारा अलग–अलग बनाए गए हैं।श्रद्धालुओं तथा कांवरियों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त संख्या में सुरक्षा कर्मियों के अलावा बम निरोधक दस्ते, के अलावा महिला सुरक्षा कर्मियों की भी तैनाती आवश्यकता अनुसार इन मंदिरों पर रहेगी।वहीं सरयू के प्रमुख घाटों पर जल पुलिस सक्रिय दिखी।श्रावण मास के खासकर दूसरे सोमवार को सावन मेले के दौरान विभिन्न गतिविधियों को सुरक्षा कर्मियों के द्वारा सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से निगरानी भी करती की जाएगी। वही अभी से ही कुछ कांवरियों की भी रामनगरी में आवागमन शुरू हो गया है जिसको लेकर पहले से ही कमिश्नर राजेश कुमार डीआईजी सोमेन बर्मा ने बैठक कर कार्य योजना भी तैयार कर लिया रहे। बताते चलें रामनगरी में प्राचीन शिव मंदिर नागेश्वर नाथ के अलावा,क्षीरेश्वर नाथ मंदिर,पंचमुखी मंदिर, झारखंडेश्वर महादेव विघ्नेश्वर महादेव शाहिद अन्य प्रमुख शिवालयों व शिव मंदिरों पर खासकर श्रावण मास के सोमवार के दिन शिव भक्तों की काफी भीड़ रहती है जिसको देखते हुए प्रशासन पर्याप्त संख्या में सुरक्षाकर्मियों की तैनाती करेगी।

संपादकीय

चिंता का सबसे बड़ा पहलू

आज 81.8 प्रतिशत नया कर्ज पुराने ऋण पर ब्याज चुकाने के लिए लिया जा रहा है। 2021–22 में 50.9 फीसदी नया ऋण ही इस मकसद से लिया गया था। पांच साल में इसमें 31 प्रतिशत वृद्धि हुई है। केंद्र सरकार पर कुल कर्ज 2021–22 में 138.66 लाख करोड़ रुपये था, जो 2025–26 में 201.17 लाख करोड़ हो गया। यह आंकड़ा खुद केंद्र ने संसद में दिया है। इससे सामने आया चिंता का सबसे बड़ा पहलू नए कर्ज के इस्तेमाल से जुड़ा है। इसलिए कि ऋण का उपयोग मानव विकास, दीर्घकालिक संपत्ति के निर्माण, अथवा उत्पादक अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए हो, तो उससे ठोस विकास की जमीन मजबूत होती है। उससे निवेश एवं उपभोग दर बढ़ती है, जिससे टैक्स आधार विस्तृत होता है। उससे भविष्य में राजकोषीय सेहत सुधरने की गुंजाइश बनी रहती है। लेकिन कर्ज का इस्तेमाल पुराने के ऋण एवं ब्याज को चुकाने अथवा तात्कालिक उपभोग के लिए हो, तो उसका अर्थ होता है भावी पीढ़ियों के हितों की बलि चढ़ाना। आज स्थिति यह है कि 81.8 प्रतिशत नया कर्ज पुराने ऋण पर ब्याज चुकाने के लिए लिया जा रहा है। जाहिर है, इस स्थिति में विकास योजनाओं के लिए कम पैसा बचता है। 2021–22 में नए ऋण का 50.9 फीसदी हिस्सा पुरानी देनदारी चुकाने पर खर्च हो रहा था। पांच साल में इसमें लगभग 31 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो गई है। सरकार का दावा है कि नया कर्ज मुख्य रूप से संपत्ति निर्माण के लिए लिया जा रहा है। इसकी मिसाल के तौर पर वह पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) में हुई बढ़ोतरी का जिक्र करती है। ये रकम मुख्य रूप से हाइवे, एक्सप्रेस–वे, हवाई अड्डा आदि के निर्माण पर खर्च हुई बताई जाती है। लेकिन इसी दौर में शिक्षा, स्वास्थ्य, अनुसंधान, आदि जैसे मदों में खर्च में भारी कटौती हुई है। यानी कैपेक्स बढ़ा है, तो मानव विकास तथा विज्ञान–तकनीक आदि मदों में खर्च घटा भी है। फिर निजीकरण, सरकारी संपत्तियों के विमुद्रीकरण, एवं काफी समय तक पेट्रोलियम पर उत्पाद शुल्क के जरिए सरकार को अतिरिक्त आय हुई। फिर भी अब भारत में प्रति व्यक्ति पर औसतन तकरीबन 1.36 लाख करोड़ रुपये का कर्ज हो गया है। तो इसे आर्थिक कुप्रबंधन अथवा भटकी हुई प्राथमिकताओं को महत्त्व देने के अलावा और क्या कहा जा सकता है? इस स्थिति का दबाव लगातार राजकोष और सकल अर्थव्यवस्था पर दिख रहा है।

सरकार नैरेटिव बनवा रही कुछ न कुछ तो जरूर होगा

हरिशंकर व्यास

पिछले कई दिनों से इस बात की चर्चा है कि सरकार बहुत बड़ा कुछ करने जा रही है। कुछ बहुत बड़ा करने की प्लानिंग हो रही है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल के संसद भवन में जाने की तस्वीरें और वीडियो शेयर करके कहा जा रहा है कि कुछ होने वाला है। संसद भवन के कार्यालय में प्रधानमंत्री की बैठक या केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ गृह सचिव गोविंद मोहन, आईबी के प्रमुख महेश दीक्षित और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल की मीटिंग की चर्चा है। गुरुवार को हुई सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति यानी सीसीएस की बैठक की भी खूब चर्चा हुई। देर रात तक मीटिंग चली और सोशल मीडिया में यह अटकलें चलती रहीं कि क्या फैसला हो रहा है और क्या बड़ा होने वाला है। अगले दिन यानी शुक्रवार की सुबह अखबारों में सीसीएस की बैठक की कोई खास रिपोर्टिंग नहीं हुई। लेकिन जो रिपोर्ट आई उसमें बताया गया कि सीसीएस की बैठक में वैश्विक हालात पर विचार हुए। ईंधन सुरक्षा को लेकर चर्चा हुई और साथ ही खाद्यान्न सुरक्षा के बारे में भी बातचीत हुई। सोचें, इसके लिए सीसीएस की बैठक की क्या तुक है? इसके लिए तो आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति यानी सीसीईए की बैठक होनी चाहिए थी। सो, यह भी कहा जा रहा है कि सीसीएस की बैठक में असल में जो बातचीत हुई उसकी रिपोर्ट सामने नहीं आई है। राइटविंग के अनेक लोग और पूर्व अधिकारी पूरे भरोसे से बता रहे हैं कि कुछ बहुत बड़ा होने वाला है, जिसकी तैयारी हो रही है। ध्यान रहे इस सरकार का यह ट्रेड मार्क रहा है कि जब भी यह किसी मामले में घिरती है तो कुछ बड़ा किया जाता है या कुछ भी किया जाता है, जिसे बड़ा कह कर प्रचारित किया जाता है। असल में यह न्यूज साइकल बदलने की कोशिश होती है। इसलिए यह देखना दिलचस्प होगा कि न्यूज साइकल बदलने के लिए क्या बड़ा किया जाता है? आज के संदर्भ में सबसे बड़ा काम करने की बात हो तो कहा जा सकता है कि भारत सरकार के लिए मौका है कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को वापस हासिल कर ले। इस समय पीओके में चुनाव हो रहे हैं और उससे पहले लोगों के प्रदर्शन को दबाने के लिए पाकिस्तान की सरकार दमनकारी रवैया अख्तियार किए हुए है। 40 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। वहां महंगाई चरम पर है और पाकिस्तान विरोधी भावनाएं प्रबल हैं। अगर भारत सरकार दखल दे तो पीओके को मुक्त करा सकती है। ऐसे ही बलोच लिबरेशन आर्मी ने पाकिस्तानी फौज के खिलाफ निर्णायक जंग छेड़ी है। सरकार को कुछ बड़ा करना है तो वह बलोचिस्तान को आजाद करा सकती है। लेकिन सवाल है कि क्या सरकार पाकिस्तान के मामले में कोई सैन्य दखल देने का फैसला करेगी? इसमें संदेह है क्योंकि पीओके और बलोचिस्तान दोनों में चीन के हित जुड़े हैं। अगर ये नहीं होगा तो क्या बड़ा हो सकता है? सैन्य कार्रवाई के अलावा कुछ भी बड़ा किया जाता है तो वह कोई ऐसा भावनात्मक ज्वार नहीं पैदा करेगा, जिससे नई पीढ़ी के छात्र और युवा अपनी तकलीफें और अपने आंदोलन की स्मृतियां भूल कर सरकार की जय जयकार करें। सरकार के पास करने को यह भी है कि अमेरिका के साथ जल्दी व्यापार संधि करें। लेकिन उससे कुछ नहीं होगा। यह वास्तविकता है कि भारत एक बाजार है और चीन के ऊपर निर्भर है। अमेरिका के साथ व्यापार करार भारत के व्यापार लाभ को घाटे में बदल सकता है। ऊपर से अमेरिका ने रूस के साथ तेल खरीद पर एक सौ फीसदी टैरिफ लगाने की तैयारी शुरू कर दी है। इसका बिल सीनेट से पास हो गया है। सो, कुछ बड़ा करने की बजाय भारत को अमेरिका से अनुरोध करना पड़ सकता है कि वह रूस से तेल खरीदने दे और टैरिफ न लगाए। ध्यान रहे भारत अभी भारत एलपीजी और एलएनजी की अपनी जरुरत का सबसे बड़ा हिस्सा अमेरिका से आयात कर रहा है। यानी तेल, गैस के लिए अमेरिका और अमेरिका के कब्जे वाले वेनेजुएला पर भारत की निर्भरता बढ़ रही है। सामरिक और आर्थिक मामलों के अलावा सरकार के पास बड़ा कुछ करने के लिए क्या हो सकता है? एक धार्मिक भावनाओं को उभारने का मुद्दा है और दूसरा युवाओं को लुभाने के लिए उनको महिला सम्मान निधि की तर्ज पर कुछ नकद पैसे देने की योजना शुरू हो जाए या सभी युवाओं के लिए नौकरी की घोषणा कर दी जाए। कुछ बड़ा क्या हो सकता है, यह सोचना बड़ा मुश्किल है। सरकार के माली हालात इतने खराब है कि ऐसा कुछ भी करना देश का सोना भी गिरवी रखवाने वाला होगा। लेकिन हमेशा की तरह सरकार नैरेटिव बनवा रही है कुछ न कुछ तो जरूर होगा।

अगर भारत–पाक युद्ध हुआ तो क्या इंडिया के खिलाफ अपनी सेना उतारेंगे तुर्किये और सऊदी अरब

नीरज

नाटो के भीतर जब अमेरिका और उसके सहयोगियों के बीच भरोसे की दरारें गहरी हो रही हैं, ठीक उसी समय पश्चिम एशिया में एक नया शक्ति–केंद्र खड़ा करने की कोशिश शुरू हो गई है। मक्का में तुर्किये, सऊदी अरब और पाकिस्तान ने ऐसा रक्षा समझौता किया है, जिसकी सबसे अहम लाइन में साफ कहा गया है कि तीनों में से किसी एक पर हमला हुआ तो उसे तीनों पर हमला माना जाएगा। यही वह बिंदु है, जो इस समझौते को सामान्य सैन्य सहयोग से उठाकर एक संभावित नए क्षेत्रीय सुरक्षा गठबंधन में बदल देता है। हालांकि इसे अभी आधिकारिक तौर पर 'सुन्नी नाटो' कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन इसके भीतर उसकी बुनियादी तस्वीर जरूर दिखाई देने लगी है। देखा जाये तो मक्का में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन का एक मंच पर आना अपने आप में बड़ा संदेश है। खास बात यह है कि यह समझौता ऐसे समय हुआ है जब पश्चिम एशिया पहले ही ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव की आग में झुलस रहा है। सऊदी अरब पर ईरान और उसके सहयोगी संगठनों के हमलों का खतरा है। पाकिस्तान अपनी क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों से जूझ रहा है और तुर्किये पश्चिम एशिया में अपनी भूमिका लगातार बढ़ा रहा है। यानी तीनों देश एक–दूसरे की जरूरत बन गए हैं। वर्तमान हालात को देखें तो सऊदी को चाहिए सुरक्षा, पाकिस्तान को पैसा और तुर्किये को ताकत, इसलिए तीनों एक साथ आ गये हैं। हालांकि इस गठजोड़ को समझने के लिए तीनों देशों के हितों को अलग–अलग देखना होगा। सबसे पहले सऊदी अरब की बात करें तो उसके सामने सबसे बड़ा सवाल सुरक्षा का है। दशकों तक रियाद ने अमेरिकी सुरक्षा छाते पर भरोसा किया। लेकिन अब सऊदी नेतृत्व यह मानकर चल रहा है कि बदलती अमेरिकी नीति में किसी एक बाहरी शक्ति पर पूरी तरह निर्भर रहना जोखिम भरा हो सकता है। ईरान और उसके सहयोगियों की मिसाइल तथा ड्रोन क्षमता ने इस खतरे को और वास्तविक बना दिया है। ऐसे में सऊदी अरब ने अपना सुरक्षा कवच चौड़ा करना शुरू किया है। पाकिस्तान उसके लिए स्वाभाविक साझेदार है। पाकिस्तानी सेना दशकों से सऊदी सुरक्षा बलों को प्रशिक्षण देती रही है और हाल के महीनों में पाकिस्तान ने सऊदी अरब में सैनिकों, लड़ाकू विमानों, ड्रोन और वायु रक्षा प्रणालियों की मौजूदगी भी बढ़ाई है। वहीं पाकिस्तान की जरूरत बिल्कुल दूसरी है। आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को सऊदी अरब से निवेश और आर्थिक मदद चाहिए, जबकि तुर्किये से रक्षा तकनीक और सैन्य सहयोग चाहिए। बदले में पाकिस्तान अपनी सेना और परमाणु क्षमता को मुस्लिम दुनिया की सुरक्षा में सबसे बड़ा सैन्य योगदान बताकर अपनी भू–राजनीतिक अहमियत बढ़ाना चाहता है। वहीं तुर्किये की बात करें तो एर्दोगन लंबे समय से अपने देश को सिर्फ नाटो का सदस्य नहीं, बल्कि मुस्लिम दुनिया की एक स्वतंत्र शक्ति के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। तुर्किये के पास अत्याधुनिक ड्रोन, रक्षा उद्योग और बड़ी सैन्य ताकत है। पाकिस्तान के साथ उसका रक्षा सहयोग पहले ही तेजी से बढ़ चुका है। अब सवाल उठता है कि यह गठबंधन किसके खिलाफ है? इस सवाल का जवाब हालांकि तीनों देशों ने नहीं दिया है। तुर्किये ने इसे साफ कहा है कि समझौता रक्षात्मक है, यह किसी खास देश या संगठन को निशाना नहीं बनाता और दूसरे क्षेत्रीय देशों के लिए भी खुला है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय राजनीति में सिर्फ दस्तावेज की भाषा नहीं देखी जाती, टाइमिंग भी देखी जाती है। और इस समझौते की टाइमिंग बहुत कुछ कहती है क्योंकि इस समय ईरान और सऊदी अरब के बीच तनाव चरम पर है। ईरान समर्थित हूती, इराकी मिलिशिया और अन्य समूहों की गतिविधियों ने खाड़ी देशों की सुरक्षा चिंता बढ़ाई है। दूसरी तरफ इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष ने

पूरे क्षेत्र को बारूद के ढेर में बदल दिया है। इसलिए यह समझौता भले ही ईरान का नाम न ले, लेकिन ईरान के लिए इसका संदेश साफ है कि सऊदी अरब अब अकेला नहीं है। वहीं इस समझौते के बाद ईरान के लिए नई चुनौती खड़ी हो गयी है। तेहरान अब तक पश्चिम एशिया में अपने प्रभाव का बड़ा हिस्सा सहयोगी और प्रॉक्सी संगठनों के नेटवर्क के जरिए कायम करता रहा है। लेकिन यदि सऊदी अरब को पाकिस्तान की सैन्य क्षमता और तुर्किये की रक्षा तकनीक का समर्थन मिलने लगे तो क्षेत्रीय समीकरण बदल सकते हैं। यही कारण है कि मक्का समझौते को ईरान के खिलाफ सीधा सैन्य गठबंधन नहीं होते हुए भी ईरान के लिए रणनीतिक चुनौती जरूर माना जा सकता है। दिलचस्प बात यह है कि इस गठबंधन का एक और बड़ा संदेश इजरायल के लिए भी है। पश्चिम एशिया में जिस 'सुन्नी धुरी' की चर्चा लंबे समय से होती रही है, वह अब सिर्फ राजनीतिक अवधारणा नहीं रहना चाहती। साथ ही यह अमेरिका के लिए भी खतरे की घंटी है और यह समझौता वाशिंगटन के लिए भी सुखद खबर नहीं है। दरअसल सऊदी अरब और तुर्किये दोनों अमेरिकी सुरक्षा व्यवस्था के पुराने साझेदार हैं। लेकिन यदि यही देश अपनी सुरक्षा के लिए अलग क्षेत्रीय सैन्य ढांचा बनाने लगें तो इसका अर्थ साफ है कि अमेरिकी सुरक्षा छतरी पर भरोसा कम हो रहा है। यही इस समझौते का सबसे बड़ा दीर्घकालिक रणनीतिक अर्थ हो सकता है। इसके अलावा, यदि मक्का मॉडल सफल होता है और उसमें दूसरे सुन्नी देश शामिल होते हैं, तो पश्चिम एशिया में अमेरिका के नेतृत्व वाली सुरक्षा व्यवस्था के समानांतर एक क्षेत्रीय सुरक्षा ढांचा खड़ा हो सकता है। सवाल उठता है कि इसमें और कौन–से देश शामिल हो सकते हैं? इसके जवाब में कतर, मिस्र, संयुक्त अरब अमीरात और सीरिया जैसे देशों के नाम संभावित सदस्य के रूप में सामने आ रहे हैं। हालांकि यह भी एक तथ्य है कि यूएई की कई क्षेत्रीय मुद्दों पर सऊदी अरब और तुर्किये से अलग नीति रही है। साथ ही मिस्र भी किसी ऐसे सैन्य गठबंधन में फंसना नहीं चाहेगा जो उसे सीधे किसी क्षेत्रीय युद्ध में धकेल दे। वहीं सीरिया अपनी युद्धोत्तर परिस्थितियों से बाहर निकलने की कोशिश कर रहा है। इसलिए 'सुन्नी नाटो' का विस्तार संभव जरूर है, लेकिन आसान नहीं है। अब सवाल यह है कि इस रक्षा समझौते का भारत पर क्या असर पड़ेगा और अगर भारत–पाकिस्तान के बीच फिर सैन्य टकराव हुआ तो क्या तुर्किये और सऊदी अरब पाकिस्तान के साथ खड़े होंगे और भारत के खिलाफ युद्ध लड़ेंगे? देखा जाये तो भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता पाकिस्तान की बढ़ती रणनीतिक क्षमता है। तुर्किये पहले से ही पाकिस्तान का करीबी सैन्य साझेदार है और कश्मीर से लेकर रक्षा सहयोग तक उसका रुख भारत के लिए चिंता का विषय रहा है। 2025 के भारत–पाकिस्तान सैन्य टकराव में भी अंकारा ने खुलकर पाकिस्तान का समर्थन किया था। ऐसे में भविष्य में पाकिस्तान को तुर्किये से ड्रोन, हथियार, तकनीक, खुफिया सहयोग और सैन्य सहायता का अधिक संगठित समर्थन मिल सकता है।

संसदीय-गतिरोध से नहीं चलेगा लोकतंत्र, संवाद ही है समाधान

ललित

लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति को अराजकता में बदल देना लोकतांत्रिक संस्कृति नहीं है। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक सुझाव देना भी है। सरकार को कठघरे में खड़ा करना विपक्ष का अधिकार है, परंतु संसद को ठप कर देना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संसद है। यही वह सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है जहां राष्ट्र के वर्तमान और भविष्य से जुड़े विषयों पर गंभीर विमर्श होता है, सरकार जवाबदेह बनती है, विपक्ष जनभावनाओं को स्वर देता है और कानूनों के माध्यम से देश के विकास की दिशा तय होती है। लेकिन अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज संसद संवाद और सहमति का मंच बनने के बजाय टकराव, आरोप–प्रत्यारोप, नारेबाजी और राजनीतिक हठधर्मिता का अखाड़ा बनती जा रही है। मानसून सत्र में जिस प्रकार लगातार गतिरोध बना हुआ है, उससे केवल संसदीय कार्यवाही ही बाधित नहीं हो रही, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा भी आहत हो रही है। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बीच गतिरोध समाप्त करने के लिए हुई बातचीत भी किसी ठोस निष्कर्ष तक नहीं पहुंच सकी। यह स्थिति बताती है कि दोनों पक्ष अपने–अपने राजनीतिक आग्रहों में इतने उलझ गए हैं कि राष्ट्रहित पीछे छूट गया है। विपक्ष की ओर से यह शर्त रखी जा रही है कि जब तक कुछ विशेष मुद्दों पर सरकार सदन में बयान और चर्चा के लिए तैयार नहीं होती, तब तक संसद की कार्यवाही नहीं चलने दी जाएगी। दूसरी ओर सरकार भी अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाने पर अडिग है। परिणाम यह है कि संसद का बहुमूल्य समय निरर्थक विवादों की भेंट चढ़ रहा है। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति को अराजकता में बदल देना लोकतांत्रिक संस्कृति नहीं है। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक सुझाव देना भी है। सरकार को कठघरे में खड़ा करना विपक्ष का अधिकार है, परंतु संसद को ठप कर देना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। लोकतंत्र में विरोध की भी मर्यादा होती है। जब विरोध संसद को चलने ही न दे, तब वह लोकतांत्रिक अधिकार नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक दायित्वों की उपेक्षा बन जाता है। पिछले कुछ वर्षों से यह चिंताजनक प्रवृत्ति लगातार बढ़ी है कि संसद सत्र प्रारंभ होने से पहले ऐसे मुद्दे राजनीतिक रूप से उछाले जाते हैं, जिनके आधार पर पूरे सत्र को बाधित किया जा सके। परिणामस्वरूप अनेक महत्वपूर्ण विधेयक बिना पर्याप्त चर्चा के पारित हो जाते हैं अथवा कई विधेयक लंबित रह जाते हैं। इससे सबसे अधिक नुकसान देश को होता है। संसद का प्रत्येक मिनट करोड़ों रुपये की सार्वजनिक धनराशि से संचालित होता है। यदि वह समय केवल शोर–शराबे और नारेबाजी में बीत जाए तो यह करदाताओं के धन और लोकतांत्रिक विश्वास–दोनों का अपमान है। लोकतंत्र में संवाद ही समाधान का सबसे प्रभावी माध्यम है। महात्मा गांधी से लेकर अटल बिहारी वाजपेयी तक भारतीय राजनीति की श्रेष्ठ परंपरा संवाद, सहमति और संवेदनशीलता की रही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पक्ष और विपक्ष दोनों अपने–अपने दुराग्रह छोड़कर संवाद की मेज पर बैठें। संसद की गरिमा इस बात में नहीं कि कौन किसे अधिक कठघरे में खड़ा करता है, बल्कि इस बात में है कि राष्ट्रहित के प्रश्नों पर कितनी गंभीरता से विचार किया जाता है। विशेष रूप से कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी को यह समझना होगा कि लोकतंत्र केवल आंदोलन और विरोध का नाम नहीं है। विपक्ष की भूमिका सरकार को गिराने की नहीं, बल्कि लोकतंत्र को संभालने की होती है। यदि प्रत्येक मुद्दे पर संसद को बाधित करने की रणनीति अपनाई जाएगी तो जनता के बीच यह संदेश जाएगा कि विपक्ष के पास वैकल्पिक नीति और दृष्टि का अभाव है। लोकतंत्र में जनता केवल विरोध नहीं, समाधान भी चाहती है। यदि विपक्ष स्वयं संवाद से दूरी बनाएगा तो 'संवाद से समाधान' का आदर्श केवल नारा बनकर रह जाएगा। सरकार की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। लोकतंत्र में बहुमत का अर्थ मनमानी नहीं होता। सरकार को भी विपक्ष की उचित मांगों को सुनना चाहिए और जहां संभव हो, सहमति का मार्ग निकालना चाहिए। संसद किसी एक दल की नहीं, पूरे राष्ट्र की संस्था है। इसलिए सरकार को भी संवेदनशीलता, धैर्य और व्यापक दृष्टिकोण का परिचय देना होगा। किंतु यदि संवाद का प्रत्येक प्रयास केवल राजनीतिक शर्तों और हठधर्मिता में उलझ जाए तो समाधान की संभावनाएं स्वतः समाप्त हो जाती हैं। आज सबसे बड़ी आवश्यकता राजनीतिक परिपक्वता की है। दुर्भाग्य से भारतीय राजनीति में आग्रह, पूर्वाग्रह और दुराग्रह का प्रभाव बढ़ता जा रहा है। हर मुद्दे को चुनावी लाभ–हानि के चश्मे से देखा जा रहा है। संसद में बहस कम और राजनीतिक संदेश अधिक दिए जा रहे हैं। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र को कमजोर करती है। संसद का उद्देश्य जनकल्याणकारी नीतियों पर विचार करना है, न कि चुनावी रणनीतियों का मंच बन जाना। देश आज आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति, रोजगार, शिक्षा, कृषि, राष्ट्रीय सुरक्षा, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और सामाजिक समरसता जैसी अनेक चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। ऐसे समय संसद का प्रत्येक दिन अत्यंत मूल्यवान है। यदि यह समय केवल राजनीतिक टकराव में व्यतीत होगा तो विकास की गति अवश्य प्रभावित होगी। कानूनों में विलंब, नीतिगत निर्णयों की देरी और संसदीय अस्थिरता का सीधा प्रभाव आम नागरिक के जीवन पर पड़ता है। भारतीय लोकतंत्र की मजबूती इस बात में नहीं कि संसद में कितना शोर हुआ, बल्कि इस बात में है कि वहां कितने सार्थक विचार सामने आए। स्वस्थ लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष प्रतिद्वंद्वी अवश्य होते हैं, किंतु शत्रु नहीं। दोनों का अंतिम लक्ष्य राष्ट्रहित होना चाहिए। यदि राजनीतिक दल इस मूल भावना को भूल जाएंगे तो लोकतंत्र केवल संख्या का खेल बनकर रह जाएगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि सभी राजनीतिक दल आत्ममंथन करें। विपक्ष अपने विरोध को रचनात्मक बनाए, सरकार अपने संवाद को व्यापक बनाए और दोनों मिलकर संसद की प्रतिष्ठा पुनः स्थापित करें। लोकतंत्र का भविष्य टकराव में नहीं, संवाद में सुरक्षित है। संसद की गरिमा नारेबाजी से नहीं, विचार–विमर्श से बढ़ती है। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में यदि संसद ही गतिरोध का प्रतीक बन जाएगी तो जनता का विश्वास कमजोर होगा, जो किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए शुभ संकेत नहीं है। समय की पुकार है कि राजनीति चुनावों की सीमाओं से ऊपर उठकर राष्ट्रनिर्माण की दिशा में आगे बढ़े। पक्ष और विपक्ष दोनों यह स्मरण रखें कि वे किसी दल के नहीं, पहले भारत के प्रतिनिधि हैं। संसद की प्रत्येक घड़ी राष्ट्र की अमूल्य धरोहर है। उसे हठ, अहंकार और राजनीतिक स्वार्थ की भेंट चढ़ाना भविष्य की पीढ़ियों के साथ अन्याय होगा। यदि लोकतंत्र को सशक्त बनाना है, संसद की प्रतिष्ठा पुनर्स्थापित करनी है।

मशीन फिर से अपने पुराने ढर्रे पर चलने लगती है

सतीश झा

बच्चा एक ऐसी थाली के सामने बैठा है, उसके सामने इंसानियत के पूरे ज्ञान का इतिहास एक ही बार में परोस दिया गया हो और कहा गया होकूलो, खाओ। थाली भरी हुई है। लेकिन, ध्यान से देखें तो वह पूरी तरह खाली है। ज्जब बारह साल बाद एक बच्चा बाहर निकलता है और वह एक पैराग्राफ पढ़ नहीं पाता या एक मामूली घटाव नहीं कर पाता, तो आप उँगली किस पर उठाएँगे? कोई एक वादा टूटा ही नहीं, सारे वादे एक साथ किए गए थे और सब एक–दूसरे में घुलकर गायब हो गए। जब भी हिंदुस्तानी व्यवस्था का कोई खंभा दरकता है, तो उसका धुआँ अपने तय समय पर ही दिखाई देता है। पहले वह नाकामी आती है, जो सालों से किसी अंधेरे कोने में सुलग रही होती है किसी परीक्षा बोर्ड का खामोश सड़ांध मारता ढाँचा, छपने से पहले ही बिकता प्रश्नपत्र, या एक रात में पूरे देश पर थोप दी गई वह नीति, जिस पर किसी ने सलाह तक करने की जहमत नहीं उठाई। फिर उठती हैं लपटें, और उन लपटों की रोशनी खींच लाती है तमाशबीनों की भीड़ राजधानी के चौराहों पर जुटे बिलखते छात्र, जेठ की धूप में गाढ़ा होता आँसू गैस का धुआँ, भूख हड़तालें और ऐसा विपक्ष, जो व्यवस्था के हर जख्म में अपनी जीत का वोट तलाशने लगता है। और सबसे आखिर में, मानसून की तरह अपने तय समय पर टिप्पणियों का सिलसिला शुरू होता है। लेखक, अर्थशास्त्री, नीतियाँ बनाने वाले और उनकी आलोचना करने वालेकृसब अपनी–अपनी ऐनक साफ करके मैदान में उतर आते हैं। हर किसी की जेब में एक बना–बनाया नुस्खा तैयार है। एक साहब को इसमें ऐसी सरकार की तानाशाही दिखती है, जो चुनाव जीतना तो सीख गई, पर संस्थाएँ चलाना भूल गई। दूसरे को दिखता है कि व्यवस्था अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों से कैसे चुपके से पीछे हट रही हैकृजहाँ मुफ्त शिक्षा के अधिकार को बिकने वाली चीज बना दिया गया है। तीसरे साहब नीति–निर्माताओं की श्नैतिकताष् को खोखला भावुक तर्क बताकर खारिज करते हैं और कहते हैं कि मामला सिर्फ 'व्यवस्था का हैकृ यानी स्कूल जो बना रहे हैं और बाजार जो खरीद रहा है, उनके बीच का टकराव। चौथे साहब दुनिया की दौड़ की ऊँचाई से देखकर हैरान होते हैं कि जो देश मशीनों के युग में बच्चों से पुरानी भाषाएँ रटवा रहा है, वह एक साधारण परीक्षा भी बिना चोरी के नहीं करा सकता। पाँचवें साहब इस पूरी तबाही को तीन शब्दों में बाँध देते हैंकृसाम्प्रदायिकीकरण, व्यापारीकरण और केंद्रीकरणकृऔर परीक्षा एजेंसी के सफाए तथा मंत्री की बलि की माँग करने लगते हैं। छठे साहब इस पूरे तामझाम को दिमागों के श्उपनिवेश–मुक्तिश् की महान क्रांति बताते हैं और विरोध की उठती आवाजों में कोचिंग माफिया की साजिश ढूँढ लेते हैं। अपने–अपने ढाँचे में हर कोई सही है। और सच पूछिए, तो असली आफत यही है। पढ़ने वाला एक ही साँस में इन दलीलों से गुजरता है, हर बात पर सिर हिलाता है और इस संतोष के साथ उठ खड़ा होता है कि उसने सब कुछ समझ लियाकृसिवाय इसके कि कुछ बदलने वाला क्यों नहीं है। इन तमाम पंडितों की लेखनी में एक ही समानता हैकृनिशाना। सब उस चीज पर तीर चला रहे हैं, जो ठीक आँखों के सामने हैकृलीक हुआ प्रश्नपत्र, ताजा आदेश, सड़कों पर जमा भीड़ और कटघरे में खड़ा मंत्री। सब असर पर हमला कर रहे हैं, वजह पर नहीं। हमारे बुद्धिजीवियों ने खुद को बीमारी के लक्षणों का सुंदर वर्णन करने वाला ऐसा बारीक औजार बना लिया है कि वह बयानबाजी ही अपने आप में एक नशा बन चुकी है। जो देश अपनी बीमारी का नाम छह अलग–अलग भाषाओं में लेना सीख जाए, उसे इलाज की कोई जल्दी नहीं रहती। यह बहस किसी सुधार की तरफ नहीं ले जातीय यह बहस तो असल में उस सुधार की जगह लेने वाला नशा है। धुएँ के पीछे जलती इमारत को देखने के बजाय, जरा उस ढाँचे को देखिए, जिसे बनाया ही जलने के लिए गया था। कुछ साल पहले मैंने भारतीय शिक्षा की तुलना एक थाली से की थी। बच्चा एक ऐसी थाली के सामने बैठा है, जो बेहिसाब पकवानों से भरी पड़ी हैकृदर्जनों विषय, तीन–तीन भाषाएँ और ऐसा पाठ्यक्रम, मानो दस साल के बच्चे के सामने इंसानियत के पूरे ज्ञान का इतिहास एक ही बार में परोस दिया गया हो और कहा गया होकूलो, खाओ। थाली भरी हुई है। लेकिन, ध्यान से देखें तो वह पूरी तरह खाली है। दुनिया का कोई बच्चा उस थाली से अपना पेट नहीं भर सकता। जो परोसा गया है, वह खाना नहींकृखाने का केवल भ्रम है। मैंने अपनी किताब का नाम रखा थाकृद फुल प्लेट। मुझे लगा था कि मैं व्यवस्था की एक भूल का जिक्र कर रहा हूँ। लेकिन असल में मैं उसके एक चालाक समाधान की व्याख्या कर रहा था। थाली भूल से भारी नहीं की गई है। उसे जान–बूझकर ऐसे भरा गया है, क्योंकि जो व्यवस्था सब कुछ देने का दावा करती है, उस पर किसी एक नाकामी का आरोप नहीं लगाया जा सकता। जब बारह साल बाद एक बच्चा बाहर निकलता है और वह एक पैराग्राफ पढ़ नहीं पाता या एक मामूली घटाव नहीं कर पाता, तो आप उँगली किस पर उठाएँगे? कोई एक वादा टूटा ही नहीं, सारे वादे एक साथ किए गए थे और सब एक–दूसरे में घुलकर गायब हो गए। यह फैलाव कोई उदारता नहीं है। यह तो जिम्मेदारी को इतने छोटे–छोटे टुकड़ों में बाँट देना है कि नाकामी का कोई एक सुराग ही न मिले। जिसकी नाप–जोख न हो सके, उस पर अदालत कैसे चले? भरी हुई थाली दरअसल ऐसा बही–खाता है, जिसे इतना उलझा दिया गया है कि कोई उसका ऑडिट ही न कर सके। यह किसी अफसर की नालायकी नहीं है। यह तो इस मशीन का असली डिजाइन है, जो ठीक वैसा ही काम कर रहा है, जैसा उसे करने के लिए बनाया गया था। और यही बात सबसे ज्यादा डरावनी है। क्योंकि नालायकी सुधारी जा सकती है, पर अपने मकसद में सफल मशीन को उसकी फितरत से बाज नहीं लाया जा सकता। जरा गौर से देखिए कि यह मशीन कर क्या रही है? इसने पढ़ाई की कसौटी को पूरी तरह श्परीक्षा की कसौटीश् से बदल दिया है। ये दोनों बातें कभी एक नहीं थीं, और अब इनके बीच इतनी दूरी आ चुकी है कि एक पूरी समानांतर अर्थव्यवस्था उसी खाली जगह में फल–फूल रही है, जहाँ श्पास होनेश् और श्जानतेश् का सौदा होता है। परीक्षा ही अब अकेला दरवाजा बन चुकी है। और क्योंकि वही अकेला दरवाजा है, इसलिए समाज की हर ताकत उसी पर टूट पड़ती हैकृलीक होते प्रश्नपत्र, मुन्ना भाइयों के गिरोह, कोचिंग की दुकानें और खरीदे गए नतीजे। जो विश्लेषक लीक होते प्रश्नपत्रों पर माथा पीटते हैं, वे पाइप के दबाव को पाइप की खराबी समझ बैठते हैं। यह दबाव इसलिए है क्योंकि व्यवस्था ने पूरे देश की उम्मीदों का सारा बोझ एक ही वाल्व पर लाद दिया है। यह वाल्व इसलिए नहीं फटता कि कुछ गड़बड़ हो गई हैय वह इसलिए फटता है क्योंकि जब एक पूरी सभ्यता का बोझ एक ही जगह पड़ेगा, ।

योग से स्वस्थ तन-मन, नशे से दूर रहेगा युवा - गिरीश चंद्र यादव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नगर के मोहम्मद हसन डिग्री कॉलेज के सभागार में योगासन स्पोर्ट्स एलायंस एसोसिएशन के तत्वावधान में मीरा वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा चतुर्थ जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व गृह राज्यमंत्री, महाराष्ट्र सरकार कृपाशंकर सिंह, प्रदेश सरकार के खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव, योगा फेडरेशन जौनपुर की अध्यक्ष रजनी साहू, संरक्षक रामजी साहू, महासचिव डाली गुप्ता, कोषाध्यक्ष रचित साहू, भाजपा जिला महामंत्री पीयूष गुप्ता, सहकार भारती के अध्यक्ष प्रदीप सिंह सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विद्यालयों से आए 8 से 25 वर्ष आयु वर्ग के छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासनों का प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। मुख्य अतिथि खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि योग को प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों से जोड़ने का रजनी साहू का प्रयास सराहनीय है। ऐसे आयोजनों का बड़े स्तर पर प्रचार–प्रसार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि योगासन को खेल से जोड़ने के लिए सरकार भी प्रयास कर रही है। योग से युवा स्वस्थ रहने के साथ नशे से भी दूर रहेंगे। स्वस्थ युवा ही देश के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में योगासन के क्षेत्र में जौनपुर की अलग पहचान बनेगी। पूर्व गृह राज्यमंत्री महाराष्ट्र सरकार कृपाशंकर सिंह ने कहा कि योग केवल शरीर को ही स्वस्थ नहीं रखता, बल्कि मन को भी स्वस्थ और संतुलित बनाता है। योग की परंपरा प्राचीन है और इसे जीवन में शामिल करना सभी के लिए लाभकारी है। उन्होंने योग के क्षेत्र में कार्य कर रही संस्थाओं और महिलाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम आयोजक एवं योगा फेडरेशन जौनपुर की अध्यक्ष रजनी साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री के आह्वान को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। उनका उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर कर योग से जोड़ना है। जब युवा शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होगा, तभी वह देश के विकास में प्रभावी योगदान दे सकेगा। प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि गिरीश चंद्र यादव एवं भाजपा जिला महामंत्री पीयूष गुप्ता ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया और उनका उत्साहवर्धन किया। प्रमुख परिणामरू 8 से 10 वर्ष बालिका वर्ग में सान्वी यादव प्रथम, काव्या गुप्ता द्वितीय, अदिति वर्मा तृतीय रहीं। बालक वर्ग में सौर्य सिंह प्रथम, आयुष्मान सिंह द्वितीय और आयुष्मान साहू तृतीय रहे। 10 से 12 वर्ष वर्ग में वरुण प्रथम और कौशल निषाद द्वितीय रहे। 12 से 14 वर्ष बालिका वर्ग में यशवी सिंह प्रथम, अंतीया यादव द्वितीय और कल्याणी गिरी तृतीय रहीं। बालक वर्ग में आर्यन यादव प्रथम और अथर्व वर्मा द्वितीय रहे। 16 वर्ष बालक वर्ग में जीत गुप्ता प्रथम रहे। 16 से 18 वर्ष बालिका वर्ग में अंशिका सिंह प्रथम और जानवी यादव द्वितीय रहीं। 18 से 21 वर्ष वर्ग में प्रियांशी प्रजापति तथा बालक वर्ग में ऋषि कुमार प्रथम और विनय अग्रहरी द्वितीय रहे। 21 से 25 वर्ष वर्ग में विनीता यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। आर्टिस्टिक सिंगल में यशवी सिंह प्रथम, यशिका एवं शताक्षी द्वितीय तथा दिव्यांशी तृतीय रहीं। कार्यक्रम का संचालन अर्चना सिंह ने किया। आयोजन में राम सूरत मौर्य, अमित श्रीवास्तव, कमलेश निषाद, सत्येंद्र सिंह, सभासद अनिल गुप्ता, राखी सिंह, प्रीति गुप्ता, स्वर्णिम जायसवाल, रूपम शुक्ला, रेनू बैंकर, चेतन साहू, सोना बैंकर, अलका गुप्ता, प्रियंका जायसवाल, मीनू बरनवाल, अंजू सिंह, किरण सिंह, प्रियंका राजपूत, अमिताभ गुप्ता, संतोष त्रिपाठी, दिलीप सिंह, धर्मेंद्र सेठ, गणेश साहू, शशांक सिंह, रानू, अतुल सिंह, संजय से योगेंद्र प्रताप सिंह, कौशल त्रिपाठी, शरद साहू, दिलीप जायसवाल, सत्येंद्र अग्रहरि, ध्रुव जायसवाल, निखिलेश सिंह, रमेश शुक्ला, अजय सिंह, नीरज शाह, रवि अग्रहरि, दीपक श्रीवास्तव, अजय शुक्ला, अमित निगम, दिनेश साहू, पप्पू गुप्ता, यशवंत साहू, जगदीश गढ़ा, शिवकुमार गुप्ता, अजय सोनकर, राजेंद्र, सर्वेश जायसवाल, मनोज तिवारी, शिवम जायसवाल, राहुल सेठ, नितिन जायसवाल, नवीन मिश्रा, अजय गुप्ता, रोहित सेठ, नारायण चौरसिया, संजय जादवानी, संजू यादव, गीतांजलि के अध्यक्ष नीरज शाह, अवनींद्र तिवारी, विवेक सेठी, संदीप गुप्ता, बृजेंद्र सिंह, शिवा सिंह, रामा सिंह, ममता साहू, कुसुम साहू, नीतू जी एवं अमित वैश्य समेत विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में कोषाध्यक्ष रचित साहू, तनिष्का साहू, अनुष्का साहू, राहुल सिंह, ऋषि साहू और रितमिक साहू का विशेष सहयोग रहा। अंत में संगठन की महासचिव डाली गुप्ता ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

'रेड क्रॉस कार्यालय में लगा कैंप, मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल के लिए दिव्यांगजनों का हुआ चयन'

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहांपुर' एलिम्को कानपुर एवं जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के सहयोग से हुआ आयोजन

मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय प्रांगण में स्थित इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के कार्यालय में एलिम्को कानपुर एवं जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के सहयोग से दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराने हेतु चयन एवं पंजीकरण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में जनपद के विभिन्न विकासखंडों से बड़ी संख्या में पात्र दिव्यांगजन पहुंचे और चयन प्रक्रिया में उत्साहपूर्वक भाग लिया। एलिम्को कानपुर की प्रोस्थेटिस्ट एवं ऑर्थोटिस्ट डॉ समृद्वि सोनी ने बताया कि प्रत्येक जनपद से लगभग 15 पात्र दिव्यांगजनों का चयन मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल के लिए किया जाना प्रस्तावित है । पात्रता के लिए दिव्यांगजन की आयु 18 वर्ष से अधिक, दिव्यांगता 80 प्रतिशत या उससे अधिक होना, आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र एवं दिव्यांगता प्रमाण पत्र होना आवश्यक है। दोनों हाथों का सही स्थिति में होना भी जरूरी है। पूर्व में मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल का लाभ ले चुके लाभार्थी के मामले में कम से कम पांच वर्ष की अवधि ा पूर्ण होना आवश्यक है। रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव डॉ विजय जौहरी ने डॉ समृद्वि सोनी का स्वागत करते हुए उन्हें इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी का स्मृति–चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने एलिम्को कानपुर द्वारा दिव्यांगजनों के हित एवं मानव सेवा के क्षेत्र में किए जा रहे सराहनीय कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद

दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एलिम्को का प्रयास अत्यंत सराहनीय है।

डॉ विजय जौहरी ने कहा कि रेड क्रॉस सोसायटी भविष्य में भी एलिम्को कानपुर एवं जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के सहयोग से ऐसे सेवा कार्यक्रमों के आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाती रहेगी, ताकि अधिक से अधिक पात्र दिव्यांगजनों को योजनाओं का लाभ मिल सके।

डॉ. समृद्वि सोनी ने भी रेड क्रॉस सोसायटी द्वारा दिए गए सहयोग एवं सम्मान के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि दिव्यांगजनों की सेवा और उनके सशक्तीकरण के लिए सामाजिक संस्थाओं का सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है।

शिविर में श्रीपाल, शेर सिंह, राजवीर, अरविंद, बिनय, सानू खान, रामसेवक, नीरू, बलजीत, शरीफ, ध र्मवीर, तसव्वुर, अरविंद सिंह आदि दिव्यांगजनों का मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल के लिए सूचीबद्ध किया गया।

इस अवसर पर रेडक्रॉस सोसायटी के स्वयंसेवकध् दिव्यांगजन कल्याण समिति के बालकृष्ण पाण्डेय, डॉ बृजेश गुप्ता, अवनीश सक्सेना, रामदास, राम कुमार, विनोद, तरुण देवी, सुबर्ण मिश्रा, अमित कुमार सहित अन्य रेडक्रॉस के स्वयंसेवक एवं जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

रेडक्रॉस सचिव डॉ विजय जोहरी ने जनमानस से आह्वान किया कि दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण एवं आत्मनिर्भरता के लिए आगे आकर सहयोग करें। उन्होंने कहा कि मानव सेवा के ऐसे कार्यों में समाज के सक्षम लोगों और संस्थाओं की सहभागिता से जरूरतमंदों तक सहायता और अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाई जा सकती है।

शिक्षकों ने डीआईओएस कार्यालय पर किया प्रदर्शन, भ्रष्टाचार के खिलाफ खोला मोर्चा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। शिक्षकों की प्रमुख मांगों और जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) कार्यालय में कथित भ्रष्टाचार के विरोध में सोमवार को माध्यमिक शिक्षक संघ ठकुराई गुट के नेतृत्व में जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर धरना–प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन में जिले के विभिन्न विद्यालयों से करीब 400 शिक्षक शामिल हुए। शिक्षकों ने कार्यालय की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए समस्याओं के तत्काल समाधान की मांग की। धरने की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष तेरस यादव ने की। उन्होंने गोरखपुर में आयोजित प्रांतीय सम्मेलन में पारित शिक्षकों की प्रमुख मांगों से साथियों को अवगत कराया और डीआईओएस कार्यालय में व्याप्त कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाने का आह्वान किया। प्रदेश संरक्षक रमेश सिंह ने कहा कि वर्ष 2000 के बाद नियुक्त मानदेय शिक्षकों को पूर्णकालिक शिक्षक का दर्जा दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मानदेय शिक्षक पूरी निष्ठा से शिक्षण कार्य कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षकों की पदोन्नति संबंधी पत्रावलियां कई महीनों से कार्यालय में लंबित हैं। 18 जुलाई को बैठक होने के बावजूद अभी तक पदोन्नति आदेश जारी नहीं किए गए हैं। उन्होंने कहा कि एनपीएस से ओपीएस में जाने वाले शिक्षकों की एनपीएस धनराशि अभी तक जीपीएफ खाते में स्थानांतरित नहीं की गई है। कई विद्यालयों के विनियमितीकरण की पत्रावलियां भी डीआईओएस कार्यालय तक नहीं पहुंची हैं। वर्ष 2000 के बाद नियुक्त मानदेय शिक्षकों के 20 से 30 मई तक के भुगतान को भी बिना आदेश रोके जाने का आरोप लगाया गया। रेहारी पतरही इंटर कॉलेज के एक शिक्षक के पदोन्नति प्रकरण को भी कई महीनों से लंबित रखने की बात कही गई। रमेश सिंह ने आरोप लगाया कि इन समस्याओं के पीछे धन की उगाही का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने लेखाधिकारी की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए शिक्षकों के उत्पीड़न को बंद करने की चेतावनी दी। साथ ही जिला विद्यालय निरीक्षक से सभी लंबित समस्याओं का तत्काल समाधान कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि मांगें पूरी नहीं होने पर संगठन कार्यालय में तालाबंदी करने के लिए बाध्य होगा। प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. राकेश सिंह ने आरोप लगाया कि डीआईओएस कार्यालय में सुविधा शुल्क के आधार पर फाइलों के निस्तारण की शिकायतें मिल रही हैं। संगठन इस तरह की कार्यप्रणाली को बर्दाश्त नहीं करेगा। धरने को मंडल अध्यक्ष सरोज कुमार सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष अतुल कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष हसन सईद, उपाध्यक्ष दयाशंकर यादव, ओमप्रकाश सिंह और मीडिया प्रभारी राजेश सिंह समेत अन्य पदाधिकारियों ने संबोधित किया। संचालन जिला मंत्री ठाकुर प्रसाद तिवारी ने किया। इस दौरान विभिन्न विद्यालयों के करीब 400 शिक्षक मौजूद रहे।

श्री चित्रगुप्त भगवान पूजन महासमिति की बैठक सम्पन्न, 11 नवंबर को निकलेगी शोभायात्रा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। श्री चित्रगुप्त भगवान पूजन महासमिति जौनपुर के तत्वावधान में रविवार शाम कायस्थ समाज के विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों की आवश्यक बैठक श्री गिरिजेश कुमार श्रीवास्तव के आवास पर आयोजित हुई। बैठक में आगामी 11 नवंबर को भगवान चित्रगुप्त मंदिर बारीनाथ से भगवान चित्रगुप्त मंदिर रूहट्टा तक प्रस्तावित श्री चित्रगुप्त भगवान की शोभायात्रा को लेकर विस्तार से विचार–विमर्श किया गया। बैठक में जिले के विभिन्न कायस्थ संगठनों को और अधिक मजबूत एवं एकजुट करने की रणनीति बनाई गई। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि शोभायात्रा में केवल कायस्थ समाज ही नहीं, बल्कि सर्व समाज के भगवान चित्रगुप्त जी के भक्तों को भी आमंत्रित किया जाएगा। महासमिति के अध्यक्ष मनोज अग्रहरी एवं संयोजक वरिष्ठ अधिवक्ता सरस चंद श्रीवास्तव के नेतृत्व में सर्व समाज को जोड़ते हुए एक कमेटी का गठन किया जाएगा। संयोजक सरस चंद श्रीवास्तव ने कहा कि भगवान चित्रगुप्त सर्व समाज के आराध्य देव हैं। आदि काल से उनकी पूजा–अर्चना होती चली आ रही है। उन्होंने कहा कि उस समय जाति–पाति का कोई भेदभाव नहीं था, इसलिए भगवान चित्रगुप्त की

पूजा को सर्व समाज तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। बैठक का संचालन महासमिति के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं वरिष्ठ पत्रकार विश्व प्रकाश श्रीवास्तव 'दीपक' ने किया। आयोजक गिरिजेश कुमार श्रीवास्तव ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया। अगली बैठक सावन माह के बाद दयाशंकर निगम के अहियापुर स्थित आवास पर होगी, जिसकी तिथि बाद में घोषित की जाएगी। बैठक में सरस चंद श्रीवास्तव, दिनेश चंद श्रीवास्तव 'दीनू भैया', चंद्रमोहन श्रीवास्तव, दयाशंकर निगम, डॉ. उमाकांत श्रीवास्तव, दयाल सरन श्रीवास्तव, रमेंद्र नाथ श्रीवास्तव, मनोज श्रीवास्तव, अजय वर्मा 'अज्जू भैया', मनोज वर्मा, विश्व प्रकाश श्रीवास्तव 'दीपक', राजेश श्रीवास्तव 'बच्चा भैया', डॉ. प्रतिमा श्रीवास्तव, डॉ. सुमित श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में कायस्थ समाज के लोग मौजूद रहे। निधन पर दो मिनट का मौन रखकर दी श्रद्धांजलि बैठक के दौरान अखिल भारतीय कायस्थ महासभा 5680 जौनपुर के जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश महामंत्री राकेश श्रीवास्तव की भाभी माता श्रीमती शीला श्रीवास्तव तथा ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस जौनपुर महिला शाखा की अध्यक्ष डॉ. ज्योति श्रीवास्तव की माता जी के निधन पर शोकसभा आयोजित की गई। उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। श्री चित्रगुप्त भगवान पूजन महासमिति की ओर से दोनों दिवंगत आत्माओं को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

शिक्षा सेवा चयन आयोग के नाम पर फैल रही फर्जी सूचनाओं से रहें सावधान

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने आयोग के नाम, लोगो और आधिकारिक लेटरहेड का दुरुपयोग कर सोशल मीडिया पर प्रसारित की जा रही भ्रामक एवं फर्जी सूचनाओं को लेकर अभ्यर्थियों और आमजन को सतर्क रहने की अपील की है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि केवल उसकी आधिकारिक वेबसाइट पर जारी सूचनाएं ही प्रामाणिक हैं।आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि आयोग के संज्ञान में यह मामला आया है कि कुछ व्यक्ति और संस्थाएं आयोग के नाम, आधिकारिक लेटरहेड तथा लोगो का अनधिकृत और अवैध उपयोग कर सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों पर भ्रामक सूचनाएं प्रसारित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन सूचनाओं का उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग से कोई संबंध नहीं है और न ही इन्हें आयोग द्वारा जारी किया गया है।उन्होंने कहा कि आयोग ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। इस संबंध में थाना कर्नलगंज, जनपद प्रयागराज में लिखित सूचना भी भेजी जा चुकी है, ताकि फर्जी सूचनाएं प्रसारित करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा सके।डॉ. प्रशांत कुमार ने अभ्यर्थियों से अपील की कि वे सोशल मीडिया या अन्य अनधिकृत स्रोतों से प्राप्त किसी भी सूचना पर बिना सत्यापन विश्वास न करें और न ही उसे आगे साझा करें। उन्होंने कहा कि आयोग से संबंधित सभी विज्ञप्तियां, परीक्षा कार्यक्रम, संशोधन, चयन प्रक्रिया और अन्य महत्वपूर्ण सूचनाएं केवल आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर ही प्रकाशित की जाती हैं।आयोग अध्यक्ष ने कहा कि अभ्यर्थी एवं आमजन केवल उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध सूचनाओं को ही प्रमाणिक मानें और उसी के आधार पर आवश्यक कार्रवाई करें।

यूपी में `मिशन आरोही' के तहत परिवहन विभाग की बड़ी कार्रवाई

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में अनधिकृत वाहन संचालन, ओवरलोडिंग, बकाया कर और निजी वाहनों के व्यावसायिक उपयोग के खिलाफ परिवहन विभाग ने विशेष अभियान 'मिशन आरोही' शुरू किया है। परिवहन मंत्री के निर्देश पर 5 अगस्त से 8 अगस्त तक चल रहे इस चार दिवसीय अभियान के पहले दो दिनों में ही विभाग ने व्यापक कार्रवाई करते हुए 2,035 वाहनों का चालान किया, जबकि 468 वाहनों को निरुद्ध किया गया। इस कार्रवाई से लगभग 193.28 लाख रुपये के राजस्व, कर एवं जुर्माने की वसूली की संभावना जताई गई है।परिवहन आयुक्त आशुतोष निरंजन के निर्देशन में संचालित इस अभियान के लिए अपर परिवहन आयुक्त (प्रवर्तन) के.डी. सिंह गौर को नोडल अधिकारी बनाया गया है। वह स्वयं विभिन्न संभागों में पहुंचकर प्रवर्तन टीमों का नेतृत्व कर रहे हैं और अभियान की प्रभावी निगरानी कर रहे हैं।परिवहन विभाग के अनुसार मिशन आरोही का उद्देश्य प्रवर्तन कार्रवाई के माध्यम से बकाया कर की वसूली, ओवरलोड वाहनों पर रोक, बिना नंबर प्लेट के चल रहे वाहनों के खिलाफ कार्रवाई तथा निजी वाहनों के व्यावसायिक उपयोग पर अंकुश लगाना है।

प्रदेश में आठ कंपनियां करेंगी 45 हजार करोड़ से ज्यादा निवेश, 25 हजार को रोजगार

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी में आठ बड़ी कंपनियां 45 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेंगी। इन परियोजनाओं से 25 हजार से ज्यादा प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होने का दावा किया गया है। इनमें हरित ऊर्जा से लेकर सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण तक की परियोजनाएं शामिल हैं। एचसीएल–फॉक्सकॉन, अवाडा इलेक्ट्रो, एंबर एंटरप्राइजेज, एसएईएल सोलर, ओरियाना पॉवर, सीईएससी ग्रीन पॉवर, आईबी सोलर और एसेंट के सर्किट ने गौतमबुद्धनगर में नई औद्योगिक इकाइयां लगाने या मौजूदा निवेश का विस्तार करने का निर्णय लिया है। सरकार के मुताबिक, निवेशकों के लिए बनाई गई नीतियों, बेहतर बुनियादी ढांचे और समयबद्ध मंजूरी की व्यवस्था से यूपी में उद्योग जगत का भरोसा बढ़ा है। हरित ऊर्जा क्षेत्र में अवाडा इलेक्ट्रो लिमिटेड सबसे बड़ा निवेश करने जा रही है। कंपनी 16139 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इससे करीब 7400 रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। इसी क्षेत्र में एसएईएल सोलर प्राइवेट लिमिटेड 8000 करोड़ का निवेश करेगी। कंपनी की परियोजना से करीब 7760

रोजगार मिलने का दावा है। ओरियाना पॉवर लिमिटेड 4500 करोड़ और सीईएससी ग्रीन पॉवर लिमिटेड 3805 करोड़ का निवेश करेगी। हाईटेक विनिर्माण के क्षेत्र में एचसीएल–फॉक्सकॉन (इंडिया चिप प्राइवेट लिमिटेड) 3706 करोड़ का निवेश करेगी। इससे करीब 3000 रोजगार सृजित होंगे। वहीं, एसेंट के सर्किट ने 3,250 करोड़ के निवेश की घोषणा की है। इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र में एंबर एंटरप्राइजेज इंडिया लिमिटेड 3232 करोड़ का निवेश कर उत्पादन का विस्तार करेगी। इससे 3000 रोजगार मिलने की उम्मीद है। आईबी सोलर 3000 करोड़ का निवेश करेगी। इससे 3200 नए रोजगार सृजित होंगे। इन आठ परियोजनाओं में से छह को औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति–2022 के तहत सहायता दी गई है।

कानपुर–लखनऊ एक्सप्रेसवे मामले में पीएनसी इंफ्राटेक ने दी सफाई

लखनऊ, (संवाददाता)। कानपुर–लखनऊ एक्सप्रेसवे के एक हिस्से के धंसने और इस मामले में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की कार्रवाई को लेकर पीएनसी इंफ्राटेक लिमिटेड ने नेशनल स्टाक एक्सचेंज (एनएसई) और बाम्बे स्टाक एक्सचेंज (बीएसई) को सफाई दी है। पीएनसी इंफ्राटेक ने अपने पत्र में खास तौर पर स्पष्ट किया है कि कंपनी को एनएचएआई ने न तो डिबार किया है और न ही 'नॉन–परफॉर्मर' घोषित किया है। दावा किया है कि इस मामले का कंपनी की क्षमता या उसके कारोबार को जारी रखने पर कोई खास असर नहीं है। यह भी स्पष्ट किया है कि वह नई परियोजनाओं के लिए बोली प्रक्रिया में हिस्सा ले सकती है। कंपनी ने यह स्पष्टीकरण 6 अगस्त को एनएसई और बीएसई को भेजे पत्र में दिया है। पीएनसी ने शेयर बाजार को बताया कि जिस परियोजना की बात हो रही है, उसे अवध एक्सप्रेसवे प्राइवेट लिमिटेड ने बनाया है, जो पीएनसी इंफ्राटेक की सहायक कंपनी है। इसका निर्माण पूरा हो चुका है और परियोजना के अस्थायी और अंतिम पूर्णता प्रमाणपत्र क्रमशरू 1 अक्टूबर 2025 और 2 फरवरी 2026 को जारी किए गए थे। परियोजना की लागत 1513 करोड़ रुपये है। पीएनसी के मुताबिक, हाल में हुई लगातार भारी बारिश से एक्सप्रेसवे के कुछ हिस्से प्रभावित हुए।

अनंतनगर योजना में 460 भूखंडों के लिए फिर खुलेगा पंजीकरण

लखनऊ, (संवाददाता)। एलडीए ने मोहान रोड स्थित अनंतनगर आवासीय योजना में 460 भूखंडों के आवंटन के लिए एक बार फिर पंजीकरण खोला है। पंजीकरण ऑनलाइन ही होगा, जो रविवार से शुरू होकर एक महीने तक चलेगा। इस संबंध में एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार की ओर से आदेश जारी कर दिया गया है। अनंतनगर योजना में पहले चार चरणों में लगभग 1700 भूखंडों का आवंटन लॉटरी के माध्यम से किया जा चुका है। 35 हजार से अधिक लोग पंजीकरण की रकम जमा कर इसमें शामिल हुए थे। पांचवें चरण में आशीष खंड के 460 भूखंडों के लिए पंजीकरण खोला जा रहा है। अपर सचिव ज्ञानेंद्र वर्मा ने बताया कि जिन भूखंडों के लिए पंजीकरण खोला जा रहा है, उनमें 200 वर्गमीटर के 23, 162 वर्गमीटर के 12 और 112.5 वर्गमीटर क्षेत्रफल के 425 भूखंड शामिल हैं। लॉगइन करके पंजीकरण पुस्तिका खरीदनी होगी। इसके बाद भूखंड की अनुमानित कीमत की पांच प्रतिशत पंजीकरण धनराशि जमा कराके रजिस्ट्रेशन कराना होगा। पंजीकरण कराने वाले आवेदकों में भूखंडों का आवंटन लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 14 अगस्त को एलडीए प्रधानमंत्री आवास योजना के 407 फ्लैटों का लॉटरी से आवंटित करेगा। इसकी तैयारी शुरू हो गई है। उधर, शुक्रवार को पार्क व्यू और ऐशबाग स्क्वॉयर अपार्टमेंट के 75 फ्लैटों का आवंटन लॉटरी से किया गया। एलडीए के अपर सचिव सीपी त्रिपाठी ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के जो फ्लैट आवंटित किए जाएंगे, उनमें से 200 बसंतकुंज योजना के सेक्टर–एन और 207 शारदा नगर विस्तार योजना में हैं। उन्होंने बताया कि बसंतकुंज योजना में राष्ट्र प्रेरणा स्थल के सामने पार्क व्यू अपार्टमेंट बनाया जा रहा है। इसमें थ्री बीएचके प्लस स्टडी श्रेणी के 24 और थ्री बीएचके श्रेणी के 39 फ्लैटों का शुक्रवार को लॉटरी से आवंटन किया गया।

देश प्रदेश की सरकारे छात्र किसान मजदूर विरोधी – चेत नारायण सिंह

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।देश प्रदेश की सरकारे छात्र किसान मजदूर विरोधी हो गई हैं।जो उनके हितों की अनदेखी कर रही हैं। जिसके चलते सैकड़ो किसान छात्र आत्महत्या कर रहे हैं । देश का युवा, नौजवान, छात्र मोदी से उब चुका है।जो मोदी को कुर्सी से उतार कर राहुल को प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाह रहा हैं।उक्त उद्गार 12 अगस्त बुधवार को हैदरगंज में आयोजित होने वाले कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारी का जायजा लेने पहुँचे कांग्रेस के जिलाध्यक्ष चेत नारायण सिंह ने सोमवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान व्यक्त किया।थाना क्षेत्र हैदरगंज के सीएल गेस्ट हाउस में बुधवार को आयोजित होने वाले कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारी समीक्षा व कार्यक्रम स्थल का भी निरीक्षण किया। सम्मेलन को लेकर जिले के नेताओं ने पूरी ताकत लगा दी है।जिला अध्यक्ष ने कहा यह सम्मेलन मील का पत्थर साबित होगा। क्योंकि इस समय नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी छात्रों युवाओं के बीच पहुंचकर उनसे वार्ता करके उनके अंदर जोश पैदा कर रहे हैं।यही हाल राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का भी है।जनता की बुनियादी सवालों को लेकर डटे हैं।पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह ने कहा मंडल जिला तहसील ब्लॉक तथा पंचायतो से सैकड़ो कार्यकर्ता जुटेगे जिनके अंदर प्रदेश से पहुंचने वाले नेतागण चुनाव जीतने की टिप्स देकर जोश भरेंगे।पूर्व जिला अध्यक्ष रामदास वर्मा ने कहा यह सरकारे पूरी तरह निकम्मी हो गई है जिनका जनता से कोई लेना देना नहीं है।वही कार्यक्रम के संयोजक पीसीसी सदस्य अशोक कुमार सिंह ने बताया सम्मेलन में प्रतिभाग करने वाले सभी सदस्यों से मुलाकात कर ली गई है।और आवश्यक आवशकताओ को भी जुटा लिया गयाहै। सभी कार्यकर्ता मजबूती के साथ कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटे हुए हैं।इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष राजकुमार पांडे ,एनजीओ के जिला अध्यक्ष यशवीर सिंह, दयाशंकर तिवारी, ब्लॉक अध्यक्ष रमाशंकर तिवारी,भास्कर तिवारी सहित दर्जनों कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे। जो तन मन से कार्यकर्ता सम्मेलन को सफल बनाने में रात दिन एक किए हुए हैं।

बाबा बाजार पुलिस ने मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को किया जागरूक

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। बाबा बाजार पुलिस ने रविवार को मिशन शक्ति फेज 5–0 अभियान के तहत चन्द्रामऊ मंगा गांव में कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं को जागरूक किया। महिला उप निरीक्षक संगीता गुप्ता,महिला कांस्टेबल पूजा,रुचि,उप निरीक्षक प्रभात कुमार द्विवेदी, उप निरीक्षक सौरभ सिंह,हेड कांस्टेबल राजेश यादव द्वारा मिशन शक्ति फेज 5.0 के अंतर्गत बहू बेटियों को सरकार द्वारा चलाई जा रही मिशन शक्ति फेज 5.0 से संबंधित विभिन्न योजनाओं जैसे विधवा पेंशन,वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या योजना और हेल्पलाइन नंबर के बारे में जागरूक किया गया और महिला संबंधित सहायता हेतु वूमेन पावर लाइन 1090,यूपी 112,ऑपरेशन कवच,महिला हेल्पलाइन 181,मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076,चाइल्ड लाइन 1098,साइबर अपराध के बारे में जागरूक किया गया एवं जानकारी दी गई।थानाध्यक्ष बाबा बाजार शैलेन्द्र कुमार आजाद ने कहा कि सरकार महिलाओं की सुरक्षा के लिए लगातार कार्य कर रही है।मिशन शक्ति फेज 5–0 उसी कड़ी में महत्वपूर्ण अभियान है।जिसके तहत महिलाओं को उनके अधिकारों की जानकारी दी जा रही है।थानाध्यक्ष ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से महिलाओं में आत्म विश्वास बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

आखिर कब जाम की मकड़ जाल से मुक्त होगी रामनगरी

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।शहर के अधिकतर चौराहो तथा प्रमुख मार्गों पर जाम की स्थिति घंटो बनी रहती है। पिछले दिनों पुलिस, यातायात पुलिस के साथ–साथ आरटीओ विभाग महज कागजों पर ही सड़क सुरक्षा सप्ताह तथा सड़क सुरक्षा माह के तहत कुछ गिने चुने स्कूलों में कार्यक्रम करके और कुछ वाहनों का चालान करके कागजी कार्यवाही पूरा कर लेते हैं।वहीं इस समय यातायात पुलिस द्वारा नो पार्किंग के साथ–साथ अन्य चौराहों पर खड़े दो पहिया तथा तीन पहिया के साथ–साथ चार पहिया वाहनों को भी उठाकर पुलिस लाइन ले जा रही है और महज 500 चालान के रूप में लेकर पुनः छोड़ दे रही है।यातायात पुलिस के बिना किसी डर के वाहन स्वामियों के बीच तू डाल–डाल में पात पात की स्थिति सी उत्पन्न सी हो गई है।मतलब की इस समय जहां एक ओर यातायात पुलिस एक दो वाहनों को उठाकर कागजी कार्यवाही कर ले रही है। वहीं उनसे दो कदम आगे वाहन स्वामी भी हैं। क्योंकि ये सभी वाहन स्वामी शहर के विभिन्न इलाकों चौराहों प्रमुख मार्गों पर अपने चौराहों मागों पर अपने जहां पर जाम लगना तो संभव ही है। शहर की चौक, रिकाबगंज, देवकाली तिराहा, गुदरी बाजार, नियावा, साहबगंज, बेनीगंज, देवकाली बाईपास, शांति चौक चौराहा, नाका बाईपास, रायबरेली रोड, सिविल लाइन, नाका, रायबरेली रोड, महिला अस्पताल के सामने सहित अन्य प्रमुख मार्गों पर जहां बड़े–बड़े अस्पताल तो हैं लेकिन पार्किंग ना होने के चलते मजबूरी में मरीजों के परिजन अपने–अपने चार पहिया व दो पहिया वाहनों को सड़क पर ही खड़ी करते हैं।वही इस समय काम होने के चलते एकल मार्ग है।जिसके चलते चलते एकल मार्ग है। जिसके चलते भी अधिक जाम की स्थिति उत्पन्न होती है। इसके बावजूद वहां पर ना तो कोई यातायात सिपाही कमी दिखाई देता है ना ही पुलिस से संबंधित अन्य कर्मी। जिसके चलते इधर से गुजरने वाले दो पहिया वाहन चालक भी आए दिन चोटिल होते रहते हैं। इस गंभीर समस्या पर इधर से गुजरने वाले राहगीरों के अलावा स्थानीय लोगों में भी इससे संबंधित खासकर पुलि और यातायात विभाग के कर्मियों व अधिकारियों पर गुस्सा दिखाई पड़ रहा सिंह ने बताया कि यातायात पुलिस कर्मियों द्वारा बीच–बीच में उनके खिलाफ चेकिंग अभियान चलाया जाता है। यातायात पुलिस दावे तो लाख करे लेकिन उनका यह दावा खोखला साबित हो रहा है।

फूलों की खुशबू से महका रंगमहल, झूलन पर विराजे श्री सीताराम

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।सावन कृष्ण पक्ष की एकादशी पर अयोध्या के ऐतिहासिक रंगमहल मंदिर में झूलन उत्सव की भव्यता देखते ही बनी।फूलों की आकर्षक सजावट के बीच भगवान श्रीसीताराम की मनोहारी झांकी सजाई गई।शाम आठ बजे शुरू हुआ उत्सव मध्यरात्रि तक चला।बेला, गुलाब और चमेली रजनी, साथ–साथ आकर्षक फूलों से सजे झूलों पर भगवान श्रीराम–सीता, लक्ष्मण–उर्मिला, भरत–मांडवी तथा शत्रुघ्न–श्रुतिकीर्ति के स्वरूप विराजमान रहे।झांकी के दर्शन के लिए अयोध्या के विभिन्न मंदिरों के संत–महंतों के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।रंगमहल के महंत रामशरण दास ने अतिथियों का स्वागत करते हुए मंदिर की परंपराओं की जानकारी दी।उन्होंने बताया कि रंगमहल के वर्तमान भवन का निर्माण स्वामी सरयू सखी ने कराया था आचार्य ने सावन के पूरे एक माह तक झूलन उत्सव की परंपरा शुरू की थी, जो आज भी अनवरत चली आ रही है। इसी परंपरा के तहत सावन में अलग–अलग अवसरों पर भगवान की मनोहारी झांकियां सजाई जाती हैं, रंगमहल की सबसे खास झांकी सावन शुक्ल पक्ष की एकादशी को होगी। रसिक उपासना परंपरा की इस अनूठी झांकी में भगवान श्रीराम और माता सीता एक–दूसरे के गले में हाथ डालकर झूलन का आनंद लेते नजर आएंगे। मंदिर से जुड़े लोगों के अनुसार इस विशेष झांकी का दर्शन वर्ष में केवल एक दिन होता है।रंगमहल के पुजारी साकेत शरण और छोटू भैया रंगमहल ने बताया कि विशेष झांकी का दर्शन शाम आठ बजे से कराया जाएगा। इसके लिए अयोध्या के साथ ही विभिन्न धार्मिक स्थलों से साधु–संत और श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है इस ऐतिहासिक उत्सव में मणिराम दास छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास शास्त्री, श्रीरामवल्लभाकुंज के प्रमुख स्वामी राजकुमार दास, दशरथ महल के महंत विंदुगद्याचार्य देवेंद्रप्रसादाचार्य, लक्ष्मण किला के महंत मैथिली रमण शरण, हनुमत निवास के महंत डॉ. मिथिलेश नंदिनी शरण, कंचन भवन के महंत विजय दास जी महाराज ,वामन मंदिर के महंत वैदेही वल्लभ शरण, गहोई मंदिर के महंत रामलखन शरण, रंगवाटिका के महंत हरिसिद्ध शरण सहित संतों ने झांकी के दर्शन किए कार्यक्रम में श्रीराम मंदिर ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, महापौर महंत गिरीश पति तिवारी, पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, भाजपा मंडल अध्यक्ष मुकेश तिवारी समेत जिले के आला अधिकारी, कर्मचारी और पुलिस विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे

राज्यपाल के हाथों प्रगतिशील किसान जमील अहमद सम्मानित

ब्यूरो चीफ . आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुलतानपुर।बल्दीराय विकासखंड के नंदौली गांव निवासी प्रगतिशील किसान जमील अहमद को कृषि एवं नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। अयोध्या स्थित आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज के 28वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल के हाथों उन्हें अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय की

ओर से उन्हें कृषक सम्मान पत्र भी प्रदान किया गया।जमील अहमद ने कृषि क्षेत्र में मेहनत के साथ नए प्रयोग कर अपनी अलग पहचान बनाई है।कृषि नवाचार के क्षेत्र में उनके कार्यों को इससे पहले भी विभिन्न स्तरों पर सराहना मिल चुकी है।विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में सुलतानपुर के किसान को सम्मान मिलना जिले के लिए गौरव की बात है।सम्मान पत्र में कृषि एवं नवाचार के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई हैं। सम्मान मिलने से क्षेत्र के किसानों में भी आधुनिक खेती और नए कृषि प्रयोगों को अपनाने का उत्साह बढ़ने की उम्मीद है।

खेत में मौत बनकर दौड़ा करंट,झटका मशीन की चपेट में आए किशोर की मौत

ब्यूरो चीफ आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुलतानपुर।बल्दीराय तहसील क्षेत्र के हलियापुर थाना क्षेत्र के पूरे नोखे मजरे मेघमऊ गांव में खेत की सुरक्षा के लिए लगाई गई झटका मशीन एक किशोर की मौत का कारण बन गई। रविवार सुबह चरी के खेत में गए 16 वर्षीय आर्यन तिवारी करंट की चपेट में आ गए। हादसे से परिवार में कोहराम मच गया।परिजनों के मुताबिक आर्यन घर के सामने स्थित चरी के खेत में गया था।आरोप है कि खेत के किनारे लगी झटका मशीन में बिजली का तार जुड़ा था।इसी दौरान आर्यन तार के संपर्क में आ गया। तेज करंट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।हादसे की सूचना मिलते ही बल्दीराय तहसीलदार सुनील कुमार, सीओ बल्दीराय आशुतोष कुमार और हलियापुर पुलिस मौके पर पहुंची।पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सीओ आशुतोष कुमार ने बताया कि मृतक के परिजनों की ओर से अभी कोई तहरीर नहीं दी गई है।किशोर की मौत के बाद प्रशासन ने खेतों में लगाए गए झटका मशीनों को लेकर सख्ती शुरू कर दी है।बल्दीराय एसडीएम प्रभात सिंह ने तहसील क्षेत्र के किसानों से खेतों में लगाई गई झटका मशीन तत्काल हटाने के निर्देश दिए हैं।उन्होंने चेतावनी दी कि जांच के दौरान खेतों में झटका मशीन मिलने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

अयोध्या में कृमि मुक्ति अभियान के तहत 12.13 लाख बच्चों को खिलाई जाएगी एल्बेंडाजोल की दवा

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर सोमवार को जनपद में बच्चों को एल्बेंडाजोल की खुराक खिलाकर अभियान का आगाज किया गया।मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. देवेंद्र कुमार भिटौरिया ने कनोसा कॉन्वेंट इंटरमीडिएट स्कूल पहुंचकर बच्चों को स्वयं दवा खिलाई। इस मौके पर उन्होंने कहा कि कृमि केवल पेट की समस्या भर नहीं हैं, बल्कि ये शरीर को भोजन से मिलने वाले पोषण का पूरा लाभ लेने से रोकते हैं,जिससे बच्चों व किशोर–किशोरियों में कमजोरी और खून की कमी जैसी दिक्कतें पैदा हो सकती हैं।सीएमओ ने बताया कि आंतों में कृमि होने पर शरीर को भोजन से मिलने वाले पोषक तत्वों का पूरा लाभ नहीं मिल पाता, इसलिए हर छह माह में एल्बेंडाजोल की खुराक दी जाती है। साथ ही उन्होंने बच्चों को साफ–सफाई की आदतें अपनाने की सलाह दी। कहा कि भोजन से पहले व शौच के बाद साबुन से हाथ धोना, साफ पानी पीना, फल–सब्जियां धोकर खाना, नाखून छोटे रखना और खुले में शौच से बचना। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह दवा खाली पेट नहीं लेनी चाहिए।बारवा आंगनबाड़ी केंद्र पर भी खिलाई दवा–अभियान के तहत अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन के निकट स्थित बारवा आंगनबाड़ी केंद्र पर भी सीएमओ ने 42 बच्चों को दवा खिलाई।वहीं कनोसा कॉन्वेंट प्राइमरी स्कूल में डिप्टी डीआईओ डॉ. गुंजन भार्गव ने बच्चों को दवा दी। प्राइमरी स्कूल में करीब 1,300 और इंटरमीडिएट स्कूल में 1,800 बच्चों को दवा खिलाने का लक्ष्य रखा गया है। जिले में 12.13 लाख बच्चों तक पहुंचेगी दवा– अगस्त 2026 के इस अभियान में जिले के 12,13,041 बच्चों व किशोर–किशोरियों को एल्बेंडाजोल खिलाने का लक्ष्य है।इसके लिए 1,459 सरकारी व मान्यता प्राप्त स्कूल–कॉलेज, 1,934 निजी स्कूल तथा 1,966 आंगनबाड़ी केंद्रों पर पर्याप्त मात्रा में दवा उपलब्ध कराई गई है।स्वास्थ्य विभाग के अनुसार यदि कोई बच्चा किसी कारणवश 10 अगस्त को दवा लेने से वंचित रह जाता है तो उसे 14 अगस्त को मॉप–अप दिवस पर संबंधित स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र या निर्धारित केंद्र पर दवा उपलब्ध कराई जाएगी। अभियान का लक्ष्य एक से 19 वर्ष तक के सभी पात्र बच्चों–किशोरों तक कृमि नियंत्रण की दवा पहुंचाना है।इस मौके पर वीपी सिंह, डीपी सिंह, डिप्टी डीएचईआईओ, डीसीपीएम अमित कुमार, डीईआईसी मैनेजर डॉ. मो. हम्माद, आरकेएसके कॉर्डिनेटर सतीश वर्मा, अर्बन कॉर्डिनेटर सुशील वर्मा, एएनएम नीलू यादव, प्रीति सिंह, किरण सिंह, आशा कार्यकर्ता के अलावा विद्यालय की प्रधानाचार्य लिंडा थॉमस, रिचा बास्क, शिल्पी अग्रवाल, जीनेट रिन्यूट सहित अन्य शिक्षिकाएं व स्टाफ मौजूद रहे।

पीआरडी जवान शिवनारायण पांडे की सड़क हादसे में मौत अज्ञात वाहन ने बाइक में मारी पीछे से टक्कर

ब्यूरो चीफ आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुलतानपुर । कोतवाली देहात थानाक्षेत्र में रविवार शाम 7:30 बजे दर्दनाक सड़क हादसा हो गया अभियांकला गांव निवासी शिवनारायण पांडे, जो पीआरडी जवान के पद पर तैनात थे बाइक से अपने घर जा रहे थे बताया जा रहा हैं कि रामनगर चौराहे के पास कोतवाली देहात थाना क्षेत्र में पीछे से आए एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी टक्कर भीषण थी शिवनारायण पांडे गंभीर रुप से घायल हो गए सीएचसी भदैया ले जाया गया जहां से उन्हें जिला चिकित्सालय पर कर दिया गया अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे

में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया पुलिस अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश में जुटी हैं।

झटका मशीनों पर एसडीएम बल्दीराय का शिकंजा,दर्जनों मशीनें–बैटरियां जब्त

ब्यूरो चीफ आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुल्तानपुर। झटका मशीन के करंट से हो रही मौतों के बाद प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है।जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह के निर्देश पर बल्दीराय एसडीएम प्रभात सिंह और तहसीलदार सुनील कुमार ने कई गांवों में अभियान चलाकर खेतों में लगी दर्जनों झटका मशीनें और बैटरियां जब्त कर लीं।कार्रवाई से ग्रामीणों में खलबली मच गई।एसडीएम के नेतृत्व में राजस्व टीम ने गांवों में पहुंचकर खेतों और आसपास के इलाकों में झटका मशीनों के संचालन की जांच की।टीम ने मशीनें और बैटरियां कब्जे में लेने के साथ संबंधित किसानों को दोबारा झटका मशीन न लगाने की कड़ी चेतावनी दी।एसडीएम ने कहा कि खेतों के चारों ओर करंट प्रवाहित करना लोगों की जान के लिए गंभीर खतरा है। दोबारा झटका मशीन लगाकर करंट प्रवाहित करते पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।डीएम ने तहसील स्तर पर टीमें गठित कर ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार भ्रमण करने,झटका मशीनों की जानकारी जुटाने और तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

दिल्ली पब्लिक स्कूल शहीदपथ ने भव्य अलंकरण समारोह का किया आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ–दिल्ली पब्लिक स्कूल शहीदपथ में छात्र नेतृत्व को प्रोत्साहित करने तथा विद्यार्थियों में उत्तरदायित्व, अनुशासन एवं सेवा भाव विकसित करने के उद्देश्य से दिनांक 08 अगस्त 2026 को भव्य अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री राधा रमन सिंह (सहायक पुलिस आयुक्त दक्षिण यातायात) एवं विद्यालय प्रबंधन प्रधानाचार्या डॉ० मंजू लखनपाल, उप प्रधानाचार्या श्रीमती स्वाति सिंह मल्होत्रा, प्रवेश संचालिका श्रीमती दिव्या सिंह द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ । इसके पश्चात विद्यालय का डी० पी० एस० एंथम प्रस्तुत किया गया। जिसने पूरे वातावरण को उत्साह एवं गौरव से भर दिया। विद्यालय परिवार ने मुख्य अतिथि को पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया। अपने प्रेरणादायी संबोधन में मुख्य अतिथि श्री राधा रमन सिंह (सहायक पुलिस आयुक्त दक्षिण यातायात) ने विद्यार्थियों को नेतृत्व के मूल्यो, ईमानदारी, अनुशासन तथा कर्तव्य निष्ठा का संदेश देते हुए नव निर्वाचित छात्र परिषद को अपनी जिम्मेदारियों को निष्ठापूर्वक निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में विद्यार्थियों ने आकर्षक नृत्य एवं मधुर समूहगान प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। समारोह का मुख्य आकर्षण छात्र परिषद के पदाधिकारियो का सम्मान एवं अलंकरण रहा। इस अवसर पर हेड बॉय, हेड गर्ल, स्पोर्ट्स कैप्टन (बालक एवं बालिका) विभिन्न हाउस कैप्टन सहित छात्र परिषद के अन्य सदस्यों को बैज एवं सैशे प्रदान कर उनकी जिम्मेदारियां औपचारिक रूप से सौंपी गई। इसके उपरान्त नव निर्वाचित छात्र परिषद के सदस्यों ने विद्यालय की गरिमा बनाए रखने, अनुशासन का पालन करने तथा अपने दायित्वों का ईमानदारी एवं समर्पण के साथ निर्वहन करने की शपथ ली। कार्यक्रम का समापन उत्साह, प्रेरणा एवं शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल एवं सफल कार्य काल की कामना की।

सड़क हादसे में युवक की दर्दनाक मौत अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने किया मृत घोषित

ब्यूरो चीफ आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुलतानपुर । शिवगढ़ शंभूगंज चौकी क्षेत्र के सहिनवा गांव के पास सोमवार को हुए सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत हो गई हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों ने

उसे मृत घोषित कर दिया मृतक की पहचान विजय कुमार उपाध्याय (38 वर्ष) पुत्र जय गोपाल उपाध्याय निवासी शिवगढ़ बनकटवा के रूप में हुई हैं बताया जा रहा हैं कि विजय कुमार बाइक से जा रहे थे तभी सहिनवा गांव के पास उनका एक्सीडेंट हो गया हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया पुलिस ने मामले की जानकारी लेते हुए आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी हैं हादसे के कारणों की जांच की जा रही हैं।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।